



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-19082020-221213  
CG-DL-E-19082020-221213

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 201]	नई दिल्ली, मंगलवार, अगस्त 18, 2020/श्रावण 27, 1942
No. 201]	NEW DELHI, TUESDAY, AUGUST 18, 2020/SRAVANA 27, 1942

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(व्यापार और उपचार महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 18 अगस्त, 2020

प्रारंभिक जांच परिणाम

मामला सं. (ओआई) 24/2019

**विषय:** चीन जन. गण. और सउदी अरब के मूल के अथवा वहां से निर्यातित डाईमिथाइल फोरमेमाइड (डी एम एफ) के आयातों से संबंधित मूल पाटनरोधी जांच में प्रारंभिक जांच परिणाम।

**फा. सं. 6/37/2019-डीजीटीआर क. मामले की पृष्ठभूमि**

1. मै० बालाजी एमाइंस लि०, (जिसे यहां आगे “आवेदक” भी कहा गया है) ने समय-समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे अधिनियम भी कहा गया है) और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन और संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे आगे नियमावली भी कहा गया है) के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें आगे प्राधिकारी भी कहा गया है) के समक्ष एक आवेदन दायर किया है जिसमें सउदी अरब और चीन जन. गण (जिन्हें आगे संबद्ध देश भी कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित “डाईमिथाइल फोरमेमाइड

(डी एम एफ) (जिसे आगे संबद्ध वस्तु, विचाराधीन उत्पाद या पीयूसी भी कहा गया है) के आयातों के संबंध में मूल पाटनरोधी शुल्क की मूल जांच का अनुरोध किया गया है।

2. प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा प्रस्तुत प्रथमदृष्ट्या साक्ष्य के आधार पर भारत के राजपत्र असाधारण में प्रकाशित अधिसूचना फा. सं. 6/37/2019-डीजीटीआर, दिनांक 14 जनवरी, 2020 के माध्यम से एक सार्वजनिक सूचना जारी की थी जिसके तहत नियमावली के नियम 5 के साथ पठित अधिनियम की धारा 9क के अनुसार संबद्ध जांच की शुरुआत की गई थी ताकि संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के कथित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और प्रभाव का निर्धारण किया जा सके और पाटनराधी शुल्क की ऐसी राशि की सिफारिश की जा सके जिसे यदि लगाया जाएगा तो वह घरेलू उद्योग को हुई कथित क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी।

#### **ख. प्रक्रिया**

3. संबद्ध जांच के संबंध में नीचे वर्णित प्रक्रिया का पालन किया गया है:-
- क) प्राधिकारी ने संबंधित नियम 5 के उपनियम (5) के अनुसार जांच की शुरुआत की कार्यवाही से पहले वर्तमान पाटनरोधी आवेदन के प्राप्ति के बारे में भारत में संबद्ध देश के दूतावास को अधिसूचित किया।
- ख) प्राधिकारी ने संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच शुरू करते हुए भारत के राजपत्र असाधारण में प्रकाशित 14 जनवरी, 2020 की एक सार्वजनिक सूचना जारी की।
- ग) प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध देश के दूतावास, संबद्ध देश के ज्ञात उत्पादक / निर्यातक, ज्ञात आयातकों / प्रयोक्ताओं और घरेलू उद्योग तथा अन्य घरेलू उत्पादकों को आवेदक द्वारा उपलब्ध कराये गए पते के अनुसार जांच शुरुआत अधिसूचना की एक-एक प्रति भेजी थी तथा उनसे विहित समय-सीमा के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया था।
- घ) आवेदक ने नियमावली के नियम 6(3) के अनुसार भारत में संबद्ध देश के दूतावास तथा ज्ञात उत्पादकों / निर्यातकों को आवेदन के अगोपनीय अंश की प्रति उपलब्ध करायी थी।
- ड.) भारत में संबद्ध देश के दूतावास से उनके देश के निर्यातकों / उत्पादकों को विहित समय-सीमा के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने की सलाह देने का अनुरोध भी किया गया था। उत्पादकों / निर्यातकों को भेजे गए पत्र और प्रश्नावली की एक प्रति संबद्ध देश से ज्ञात उत्पादकों / निर्यातकों के नामों और पतों के साथ उन्हें भी भेजी गई थी।
- च) प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार संबद्ध देश में निम्नलिखित ज्ञात उत्पादकों / निर्यातकों को निर्यातक प्रश्नावली भेजी थी।

#### **सउदी अरब**

- i. मेथेनाल केमिकल्स कंपनी
- ii. फहाद थनायान एआई थनयान और पीए
- iii. बारविल एजेंसीज लि०

#### **चीन गण. राज्य**

- iv. शानडांग हुआलु- हेंगशेंग केमिकल कंपनी लि०
- v. हुआलु होल्लिंग ग्रुप कंपनी, लि०
- vi जीबो जुझोंग केमिकल एंड लाइट इंडस्ट्री कंपनी, लि०
- vii. अन्हुई हुआइहुआ फाइन केमिकल्स कंपनी लिए०
- viii. झेजियांग जियांगशान केमिकल कंपनी, लि०

छ) इसके उत्तर में संबद्ध देशों से निम्नलिखित निर्यातकों / उत्पादकों ने निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर दिया है।

- i. मेथेनाल केमिकल्स कंपनी, सउदी अरब,
- ii. मै० लक्सी केमिकल ग्रुप कंपनी लि०, क्लोर-अल्काली केमिकल ब्रांच, चीन,
- iii. मै० शानडांग लियाओचेंग लक्सी न्यू मैटेरियल सेल कंपनी, लि०, चीन और
- iv. मै० लियाओचेंग रूइजिन (हांगकांग) कंपनी, लि०, चीन

ज) प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मंगाने के लिए भारत में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों और प्रयोक्ताओं को आयातक प्रश्नावली भेजी थी।

- i. आरचिड केमिकल्स एंड फार्मास्यूटिकल्स लि०
- ii. सीमेड लैब्स लि०
- iii. मैट्रिक्स लेबोरेट्रीज लि०
- iv. डॉर्फ-केटल केमिकल्स इंडिया प्रा० लि०
- v. हरमान फिनोकेम लि०
- vi. रामकमल केमिकल्स प्रा० लि०
- vii. पिरामल इंटरप्राजेस लि०
- viii. मैट्रिक्स लेबोरेट्रीज लि०
- ix. ए एम आई आर्गेनिक्स प्रा० लि०
- x. पसुपति एक्रलॉन लि०
- xi. इंडियन एक्रीलिक्स लि०
- xii. वोक्हार्ड लि०
- xiii. योगेश डाइसटफ प्रोडक्ट्स प्रा० लि०
- xiv. सन फार्मास्यूटिकल्स इंडस्ट्रीज लि०
- xv. लुपिन लि०
- xvi. आरोबिंदो फार्मा लि०

झ) इसके उत्तर में निम्नलिखित आयातकों और प्रयोक्ताओं ने आयातक प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया।

- i. रामनिकलाल एस गोसालिया एंड कंपनी
- ii. आरोबिंदो फार्मा लि०
- iii. पसुपति एक्रलॉन लि०
- iv. इंडियन एक्रीलिक्स लि०

- (ट) प्राधिकारी ने अनुरोध करने पर निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर (ईक्यूआर) प्रस्तुत करने के लिए समय और समयावधि 02.03.2020 तक बढ़ा दी थी जिसे डीजीटीआर की वेबसाइट के माध्यम से सार्वजनिक डोमेन में रखा गया था।
- (ठ) प्राधिकारी ने सार्वजनिक फाइल के रूप में प्रस्तुत साक्ष्य / अनुरोधों के अगोपनीय अंश को हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निरीक्षण के लिए खुला रखकर उपलब्ध रखा था।
- (ड) वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) से अनुरोध किया गया था कि वे पिछले तीन वर्षों तथा जांच की अवधि के लिए संबद्ध सामानों के आयातों के लेन-देन वार ब्यौरे उपलब्ध कराएं जो प्राधिकारी को प्राप्त हो गए थे। प्राधिकारी ने आयातों की मात्रा का परिकलन करने और लेन-देनों की उचित जांच करने के बाद उसके विश्लेषण के लिए डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों पर विश्वास किया है।
- (ढ) सामान्यतया स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों (जीएएपी) और नियमावली के अनुबंध-III के आधार पर घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के आधार पर भारत में संबद्ध सामानों की उत्पादन लागत और निर्माण एवं बिक्री लागत के आधार पर क्षति रहित कीमत (एनआईपी) निर्धारित की गई है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा।
- (ण) आवेदक द्वारा प्रस्तुत सूचना / आंकड़ों की डेस्क अध्ययन के दौरान जांच की गई है और प्रारंभिक जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ भरोसा किया गया है जिसका आवेदक के मूल रिकार्डों से समुचित स्तर पर सत्यापन किया जाएगा।
- (त) वर्तमान पाटनरोधी जांच के प्रयोजन के लिए जांच की अवधि 1 जनवरी, 2019 से 30 सितंबर, 2019 (9 माह) की है। तथापि, क्षति जांच अवधि पर अप्रैल, 2016 – मार्च, 2017, अप्रैल, 2017 – मार्च, 2018, अप्रैल, 2018 – मार्च, 2019 और पी ओ आई की अवधि पर विचार किया गया है।
- (थ) इस प्राथमिक जांच परिणाम में \*\*\* गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई और नियमावली के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा गोपनीय मानी गई सूचना दर्शाता है।
- (द) प्राधिकारी द्वारा संबद्ध जांच के लिए अपनाई गई विनिमय दर 1 अमेरिकी डॉलर = 71.03 रुपए है।

#### ग. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

4. जांच शुरुआत के स्तर पर विचाराधीन उत्पाद को निम्नानुसार परिभाषित किया गया था:
- i). 'वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद डाईमिथाइल फोरमेमाइड है और इसे डी एम एफ के रूप में भी जाना जाता है'।
- ii). डाईमिथाइल फोरमेमाइड एक रंगहीन उच्च बॉयलिंग पोलर एप्रोटिक्स विलियन है जिसमें एक विशिष्ट गंध होती है। यह गरम करने पर और अपनी डिस्टिलेशन तापन रेंज के अधीन स्थिर रहता है और जल, एल्कोहल, इथर, केटोन्स, ईस्टर, कार्बनडाई सल्फाइड तथा क्लोरीनेटेड और एरोमेटिक हाइड्रोकार्बन के साथ मुक्त रूप से मिश्रण योग्य है। संबद्ध वस्तु के अनुप्रयोग और प्रयोगों को मोटे तौर पर निम्नानुसार वर्गीकृत किया जा सकता है :-

क. भेषज विनिर्माण में विलायक के रूप में

ख. एकीकृत पोलिमर्स विनिर्माण में विलायक के रूप में

ग. डी एम एफ के व्युत्पन्नों के संश्लेषण के लिए फीडस्टॉक के रूप में

घ. कीटनाशक विनिर्मितियों में विलायक के रूप में

- iii). पी यू सी को प्राथमिक रूप से आयात के समय-सीमा शुल्क उपशीर्ष 29211110 के अंतर्गत घोषित किया जाता है। तथापि, यह उपशीर्ष केवल सांकेतिक है और चूंकि जैसा याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि पी यू सी का अन्य उपशीर्षों के अंतर्गत भी आयात होने की गुंजाइश है। इसलिए पी यू सी के दायरे में बाध्यकारी नहीं है। केवल सीमा शुल्क और उपशीर्ष के अंतर्गत पी यू सी के दायरे को प्रतिबंधित करना उचित नहीं होगा और उत्पाद वर्णन भी संगत होगा।

### **घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध**

5. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध निम्नानुसार हैं :-

- i. वर्तमान मामले में विचाराधीन उत्पाद सउदी अरब और चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित डाईमिथाइल फोरमेमाइड (डी एम एफ) है। डाईमिथाइल फोरमेमाइड एक कार्बनिक यौगिक है। सी3एच7एनओ अथवा एचसीओएन (सीएच3)2 है और इसका रासायनिक नाम 'एन,एन-डाईमिथाइल फोरमेमाइड' है।
- ii. 'डाईमिथाइल फोरमेमाइड' एक रंगहीन उच्च ब्वायलिंग पोलर एप्रोटिक्स विलियन है जिसमें एक विशिष्ट गंध होती है। यह गरम करने पर और अपनी डिस्टिलेशन तापन रेंज के अधीन स्थिर रहता है और जल, एल्कोहल, इथर, केटोन्स, ईष्टर, कार्बनडाई सल्फाइड तथा क्लोरीनेटेड और एरोमेटिक हाइड्रोकार्बन के साथ मुक्त रूप से मिश्रण योग्य है।
- iii. विचाराधीन उत्पाद को सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 29 के सीमा शुल्क उपशीर्ष 29211110 के अधीन आयातित किया जाता है। सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और विचाराधीन उत्पाद के दायरे पर बाध्यकारी नहीं है।
- iv. आवेदक द्वारा उत्पादित और संबद्ध देश से निर्यातित उत्पाद के बीच कोई अंतर नहीं है।

### **अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध**

6. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के संबंध में निर्यातकों, आयातकों, प्रयोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए अनुरोध निम्नानुसार हैं :-

- i. संबंधित देश से आयातित और भारत में उत्पादित पी यू सी की तकनीकी और भौतिक विशेषताओं में कोई अंतर नहीं है। तथापि, संबंधित देश से आयातित पी यू सी के लिए पहुंच कीमत भारत में उत्पादित वस्तु की कीमत से अलग हो सकती है।
- ii. संबद्ध देशों की घरेलू बाजार में बेचा गया विचाराधीन उत्पाद और भारत को निर्यातित उत्पाद भौतिक और रासायनिक विशेषताओं की दृष्टि से समान है।
- iii. घरेलू रूप से उत्पादित उत्पाद और आयातित उत्पाद के बीच कोई ज्ञात अंतर नहीं है।
- iv. विचाराधीन उत्पाद एक एकल उत्पाद है जो सभी बाजारों में भौतिक व रासायनिक रूप से समान है। एक मात्र अंतर यह है कि उत्पाद को बल्क में या ड्रम में बेचा जाता है।

### **प्राधिकारी द्वारा जांच**

7. पी यू सी से संबंधित मुद्दों के बारे में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोधों को निम्नानुसार जांच और समाधान किया गया है।
8. वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ में विचाराधीन उत्पाद सउदी अरब और चीन जन. गण. के मूल का अथवा वहां से निर्यातित डाईमिथाइल फोरमेमाइड (डी एम एफ) है।
9. डाईमिथाइल फोरमेमाइड यह एक रंगहीन उच्च ब्वायलिंग पोलर एप्रोटिक्स विलियन है जिसमें एक विशिष्ट गंध होती है। यह गरम करने पर और अपनी डिस्टिलेशन तापन रेंज के अधीन स्थिर रहता है और जल, एल्कोहल, इथर, केटोन्स, ईष्टर, कार्बनडाई सल्फाइड तथा क्लोरीनेटेड और एरोमेटिक हाइड्रोकार्बन के साथ

मुक्त रूप से मिश्रण योग्य है। पी यू सी का प्रयोग भेषज विनिर्माण में, एकीकृत पोलिमर्स विनिर्माण में और कीटनाशी नुस्खों में विलायक के रूप में होता है। इसका प्रयोग डी एम एफ के व्युत्पन्नों के संश्लेषण के लिए फीडस्टॉक के रूप में होता है।

10. विचाराधीन उत्पाद सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 29 के सीमा शुल्क उपशीर्ष 2921 1110 के अधीन वर्गीकरण योग्य है। तथापि, सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जांच के दायरे पर किसी भी प्रकार से बाध्यकारी नहीं है।
11. विरोधी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत उत्तरों से यह भी नोट किया जाता है कि घरेलू रूप से विनिर्मित और आयातित संबद्ध वस्तु के बीच कोई अंतर नहीं है। रिकार्ड में उपलब्ध सूचना के आधार पर यह नोट किया जाता है कि याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु और संबद्ध देशों से उत्पादित और निर्यातित विचाराधीन उत्पाद के बीच कोई ज्ञात अंतर नहीं है। ये दोनों उत्पाद अनिवार्य उत्पाद विशेषताओं जैसे भौतिक और रासायनिक विशेषताएं, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, कार्य और प्रयोग, उत्पाद विनिर्देशन, कीमत निर्धारण, वितरण और विपणन तथा वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण की दृष्टि से तुलनीय है। ये दोनों तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। अतः वर्तमान प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ भारत में याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु को पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) के अंतर्गत संबद्ध देशों से आयातित की जा रही संबद्ध वस्तु के समान वस्तु पाया गया है।

#### घ. घरेलू उद्योग और उसकी स्थिति

##### घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

12. घरेलू उद्योग के दायरे और उसकी स्थिति के संबंध में अब तक घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध निम्नानुसार हैं :

क. आवेदक मै० बालाजी एमाइंस लि० भारत में संबद्ध वस्तु के एक मात्र उत्पादक है और अभी तक का उत्पादन संबद्ध वस्तु के कुल भारतीय उत्पादन का 100 प्रतिशत हिस्सा बनता है। आवेदक ने विचाराधीन उत्पाद का आयात नहीं किया है या वह संबद्ध वस्तु के निर्यातक / आयातक से संबंधित नहीं है। इस प्रकार आवेदक योग्यता संबंधी अपेक्षाओं को पूरा करता है और पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) में यथा परिभाषित घरेलू उद्योग भी है।

ख. यह नोट किया जाए कि मै० आर सी एफ लि० भी संबद्ध वस्तु के उत्पादक थे, परंतु उन्होंने अब कुछ समय से संबद्ध वस्तु का उत्पादन नहीं किया है।

##### अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

13. घरेलू उद्योग के दायरे और उसकी स्थिति के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा कोई अनुरोध नहीं किया गया है।

##### प्राधिकारी द्वारा जांच

14. नियमावली का 2(ख) घरेलू उद्योग को निम्नानुसार परिभाषित करता है: -

“घरेलू उद्योग” का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा उन उत्पादकों से है, जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है, परन्तु जब ऐसे उत्पादक कथित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं या वे स्वयं उसके आयातक होते हैं। ऐसे मामले “घरेलू उद्योग” शेष उत्पादकों को समझा जाएगा।

15. यह नोट किया जाता है कि आवेदन मै० बालाजी एमाइंस लि० द्वारा दायर किया गया है जिन्होंने भारत में संबद्ध वस्तु के एक मात्र उत्पादक होने का दावा किया है। याचिका के अनुसार मै० राष्ट्रीय केमिकल एंड फर्टीलाइजर्स लि० (आर सी एफ लि०) भी संबद्ध वस्तु का उत्पादक था। तथापि, जैसा याचिका में प्रदत्त है, मै० आर सी एफ ने काफी समय से संबद्ध वस्तु का उत्पादन नहीं किया है। यह भी नोट किया जाता है कि मै० आर सी एफ लि० न तो याचिका का समर्थन किया है और न ही विरोध किया है।

16. मै० बालाजी एमाइंस लि० ने संबद्ध देशों से पी यू सी का आयात नहीं किया है और वह संबद्ध देशों में पी यू सी के किसी निर्यातक या उत्पादक से अथवा भारत में पी यू सी के किसी आयातक से संबंधित नहीं हैं।
17. घरेलू उद्योग के दायरे और उसकी स्थिति के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा कोई अनुरोध नहीं किया गया है।
18. तदनुसार, प्राधिकारी अनंतिम रूप से मानते हैं कि इस जांच के प्रयोजनार्थ आवेदक स्थिति संबंधी अपेक्षा को पूरा करता है और नियमावली के नियम 2(ख) और 5(3) के अनुसार घरेलू उद्योग है।

## **ड. विविध मुद्दे**

### **घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध**

19. इस स्तर पर घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत कतिपय विविध मुद्दों निम्नानुसार हैं :

- i. इस मामले में तत्काल प्रारंभिक उपाय लगाना अपेक्षित है, क्योंकि घरेलू उद्योग पी ओ आई के दौरान वित्तीय घाटे झेल रहा है और यह रुझान अब भी जारी है। याचिका में समग्र क्षति पर चर्चा से पता चलता है कि ऐसी क्षति की विशालता क्षति के सभी प्रमुख मापदंडों के संबंध में बढ़ रही है।
- ii. यह घाटे पाटित आयातों द्वारा की गई क्षति से सीधे संबंधित हैं और अंतरिम उपायों के रूप में तत्काल राहत आवश्यक है ताकि घरेलू उद्योग जांच पूरी होने तक विनिर्माण को जारी रख सके।
- iii. वर्तमान मामले के तथ्य संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के भारी आयात को दर्शाते हैं, जो पाटन के अत्यधिक स्तर (55 से 60 प्रतिशत) पर समग्र रूप से बढ़े हैं और ऐसे लक्षित पाटन के लिए डी आई पर उसके प्रभाव को कम करने के लिए तत्काल उपायों की आवश्यकता हैं। वास्तव में पाटित आयातों ने भारतीय मांग का लगभग 78 प्रतिशत कब्जा रखा है और डी आई के लिए मांग में कोई उचित हिस्सा केवल पाटनरोधी शुल्क लगाकर ही सुनिश्चित किया जा सकता है।
- iv. संबद्ध वस्तु से संबंधित हाल की पाटनरोधी जांच (फा. सं. 6/37/2017-डीजीएडी दिनांक 23.10.2018) के अंत में पी यू सी के आयात पर कोई पाटनरोधी शुल्क नहीं लगाया जाना संबद्ध देशों से उत्पादकों / निर्यातकों द्वारा स्पष्ट रूप से भारत में पाटन में वृद्धि करने के सुनहरे अवसर के रूप में लिया गया है और उक्त जांच परिणामों के बाद पाटन की तीव्रता में तेजी से वृद्धि हुई है। डी आई पुनः प्राधिकारी के पास आया है, परंतु अब क्षति की स्थिति बहुत खराब है। यदि पाटनरोधी शुल्क शीघ्र लागू नहीं किए गए तो घरेलू उद्योग पूर्णतः बंद हो जाएगा और इसलिए विस्तृत जांच होने और प्राधिकारी द्वारा निश्चयात्मक उपाय लगाए जाने तक तत्काल अनंतिम उपायों के लिए प्रार्थना की जाती है।

### **अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा अनुरोध**

20. विरोधी पक्षकारों ने अपने उत्तर में निम्नानुसार अनुरोध किए हैं:

- i. पाटनरोधी शुल्क लगाने से प्रयोक्ताओं / आयातकों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।
- ii. प्रयोक्ता पाटनरोधी शुल्क लगाने के विरुद्ध हैं।
- iii. पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से आवेदक द्वारा एकाधिकार संबंधी व्यवहार होगा।
- iv. पाटनरोधी शुल्क लगाने से अंतिम प्रयोक्ताओं के स्तर पर उत्पाद की निविष्टी लागत में वृद्धि होगी। निविष्टी लागत किसी वृद्धि से निर्यातों हेतु निविदा के लिए उत्पाद अप्रतिस्पर्धी हो जाएगा जिससे संभावित रूप से निर्यातों में कमी आएगी। परिणामस्वरूप विदेशी मुद्रा आय में गिरावट आएगी।
- v. कंपनी के लिए इतने कम समय के भीतर विचाराधीन उत्पाद की आपूर्ति के लिए अन्य स्रोतों की तलाश करना संभव नहीं होगा। यह ऐसा इस तथ्य के कारण है कि भारत में घरेलू उद्योग के पास



संबद्ध वस्तु की आपूर्ति की काफी सीमित क्षमता है और कीमतें आयातित डी एम एफ की तुलना में प्रतिस्पर्धी नहीं हैं।

### **प्राधिकारी द्वारा जांच**

21. विविध मुद्दों के संबंध में ऊपर यथा उल्लिखित हितबद्ध पक्षकारों और आवेदक द्वारा किए गए अनुरोधों की निम्नानुसार जांच की गई है :-

- क) आवेदक द्वारा उठाए गए अंतरिम उपाय की जरूरत के संबंध में प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा और प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा इस जांच में अब तक किए गए अनुरोधों को नोट किया है और नियमावली के अनुसार उनकी जांच की है तथा इस अंतिम जांच परिणाम में संगत स्थान पर समुचित रूप से उनका समाधान किया गया है।
- ख) प्रतिवादी पक्षकारों की इन अशंकाओं के संबंध में कि पाटनरोधी शुल्क से घरेलू उद्योग का व्यवहार एकाधिकारी हो जाएगा और प्रयोक्ताओं को परेशानी होगी, यह नोट किया जाता है कि किसी पाटनरोधी शुल्क का आशय ऐसे पाटन के कारण हुए क्षतिकारी प्रभाव को समाप्त करना होता है और क्षति / पाटन मार्जिन से कम यदि आवश्यक पाया जाए तो कोई शुल्क नहीं लगाया जाता है। केवल पाटनरोधी शुल्क से प्रयोक्ताओं को वस्तु की उपलब्धता प्रतिबंधित नहीं होगी। देश में कुल मांग के विरुद्ध पी यू सी की आपूर्ति में किसी अंतर से पाटन और परिणामी क्षति यदि कोई हो, को न्यायोचित नहीं ठहराया जा सकता है।

### **च. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन का निर्धारण**

#### **घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध**

22. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:-

- क) चीन को गैर बाजार अर्थव्यवस्था माना जाना चाहिए और संबद्ध देशों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 और 8 के अनुसार किया जाना चाहिए। नियमावली के अनुबंध-1 में पैरा 8 के अनुसार यह मान्यता होती है कि चीन में संबद्ध वस्तु के उत्पादक गैर बाजार अर्थव्यवस्था दशाओं में प्रचालन कर रहे हैं। अतः चीन जन. गण. संबद्ध वस्तु के सामान्य मूल्य का अनुमान नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार लगाया गया है।
- ख) उपर्युक्त के मद्देनजर संबद्ध देश के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण भारत में उत्पादन लागत, घरेलू उद्योग की लागत को बिक्री, सामान्य और प्रशासनिक व्ययों सहित विधिवत रूप से समायोजित करके उसके आधार पर किया गया है। इस पद्धति को चीन जन. गण. के विरुद्ध पूर्ववर्ती जांचों में प्राधिकारी द्वारा माना गया है।
- ग) संबद्ध देश से निर्यात कीमत का निर्धारण प्राप्त डीसीजीआई एंड एस से प्राप्त सौदावार आंकड़ों के अनुसार जांच की प्रस्तावित अवधि के लिए आयातों की मात्रा और मूल्य पर विचार करते हुए किया गया है। मालभाड़ा, बीमा, पत्तन व्यय और बैंक प्रभारों के लिए समायोजन किए गए हैं।
- घ) सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत पर उपर्युक्त चर्चा के अनुसार विचार करते हुए पाटन मार्जिन निर्धारित किया गया है जिसके ब्यौरे रिकार्ड में याचिका से देखे जा सकते हैं। संबद्ध देश से पाटन मार्जिन निर्धारित न्यूनतम स्तर से अधिक है और काफी अधिक है।

#### **अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध**

23. प्राधिकारी ने संबद्ध देशों से ज्ञात उत्पादकों / निर्यातकों को प्रश्नावलियां भेजी थीं और उनसे प्राधिकारी द्वारा विहित प्रपत्र और ढंग से सूचना देने का अनुरोध किया था। निम्नलिखित उत्पादकों / निर्यातकों ने विहित प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत किए हैं :-

- i. मेथेनाल केमिकल्स कंपनी,



- ii. मै० लक्सी केमिकल ग्रुप कंपनी लि०, क्लोर-अल्काली केमिकल ब्रांच, चीन,
  - iii. मै० शानडांग लियाओचेंग लक्सी न्यू मैटेरियल सेल कंपनी, लि०, चीन और
  - iv. मै० लियाओचेंग रूइजिन (हांगकांग) कंपनी, लि०,
24. इस स्तर पर विरोधी हितबद्ध पक्षों ने सामान्य मूल्य निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के पहलुओं के संबंध में कोई विशिष्ट अनुरोध नहीं किया है। तथापि, संभव पायी गई सीमा तक सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के निर्धारण के लिए विरोधी पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत उत्तर पर विचार किया गया है।

### **प्राधिकारी द्वारा जांच**

#### **सामान्य मूल्य**

25. धारा 9(1)(ग) के अधीन, किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का तात्पर्य है:
- (i) व्यापार की सामान्य प्रक्रिया के समान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उप नियम (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र में खपत के लिए नियत हो, अथवा
  - (ii) जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की बिक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातक देश या क्षेत्र की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा:
    - (क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से किया गया हो, अथवा
    - (ख) उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उदगम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत:
 

परंतु यदि उक्त वस्तु का आयात उदगम वाले देश से भिन्न किसी देश से किया गया है और जहां उक्त वस्तु को निर्यात के देश से होकर केवल स्थानांतरण किया गया है अथवा ऐसी वस्तु का उत्पादन निर्यात के देश में नहीं होता है, अथवा निर्यात के देश में कोई तुलनीय कीमत नहीं है, वहां सामान्य मूल्य का निर्धारण उदगम वाले देश में उसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा।

26. डब्ल्यूटीओ में चीन के परिग्रहण प्रोटोकॉल का अनुच्छेद 15 इस प्रकार प्रदान करता है: “गैट 1994 का अनुच्छेद VI, शुल्क और व्यापार 1994 पर सामान्य समझौते के अनुच्छेद VI के कार्यान्वयन पर समझौता (“ एंटी-डंपिंग समझौता ”) और एससीएम समझौता निम्नलिखित के अनुरूप एक डब्ल्यूटीओ सदस्य में चीनी मूल के आयात को शामिल करने वाली कार्यवाही में लागू होगा:

“ए) गैट 1994 के अनुच्छेद VI और एंटी-डंपिंग समझौते के तहत मूल्य तुलनीयता का निर्धारण करने में, डब्ल्यूटीओ के आयात करने वाले सदस्य उद्योग के लिए या तो चीनी कीमतों या लागतों का उपयोग जांच के तहत करेंगे या एक पद्धति जो घरेलू कीमतों या लागतों के साथ एक सख्त तुलना पर आधारित नहीं है। चीन में निम्नलिखित नियमों के आधार पर:

- (i) यदि जांच के तहत उत्पादकों को स्पष्ट रूप से पता चलता है कि उस उत्पाद के निर्माण, उत्पादन और बिक्री के संबंध में उत्पाद की तरह उत्पादन करने वाले उद्योग में बाजार की अर्थव्यवस्था की स्थिति बनी रहती है, तो आयात करने वाले डब्ल्यूटीओ सदस्य उद्योग के लिए चीनी कीमतों या लागत का उपयोग करेंगे। मूल्य तुल्यता का निर्धारण करने में जांच;
- (ii) डब्ल्यूटीओ का आयात करने वाला सदस्य एक ऐसी पद्धति का उपयोग कर सकता है जो चीन में घरेलू कीमतों या लागतों के साथ एक सख्त तुलना पर आधारित नहीं है यदि जांच के तहत उत्पादकों को यह स्पष्ट रूप से

नहीं दिखाया जा सकता है कि निर्माण, उत्पादन और उत्पादन के संबंध में समान उत्पाद बनाने वाले उद्योग में बाजार की अर्थव्यवस्था की स्थिति मौजूद है उस उत्पाद की बिक्री।

(ख) SCM समझौते के भाग II, III और V के तहत कार्यवाही में, जब अनुच्छेद 14 (ए), 14 (बी), 14 (सी) और 14 (डी) में वर्णित सब्सिडी को संबोधित करते हैं, तो एससीएम समझौते के प्रासंगिक प्रावधान लागू होंगे; हालाँकि, यदि उस अनुप्रयोग में विशेष कठिनाइयाँ हैं, तो आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य फिर सब्सिडी लाभ को पहचानने और मापने के लिए कार्यप्रणाली का उपयोग कर सकता है जो इस संभावना को ध्यान में रखता है कि चीन में नियम और शर्तें हमेशा उपयुक्त बेंचमार्क के रूप में उपलब्ध नहीं हो सकती हैं। ऐसे तरीकों को लागू करने में, जहां व्यावहारिक, आयात करने वाले डब्ल्यूटीओ सदस्य को चीन के बाहर प्रचलित नियमों और शर्तों के उपयोग पर विचार करने से पहले इस तरह के प्रचलित नियमों और शर्तों को समायोजित करना चाहिए।

(ग) आयात करने वाले डब्ल्यूटीओ सदस्य, उप-प्रचलन (ए) के अनुसार विरोधी डंपिंग प्रथाओं पर समिति के लिए इस्तेमाल की जाने वाली कार्यप्रणाली को सूचित करेंगे और उप-अनुच्छेद (बी) के अनुसार इस्तेमाल की जाने वाली कार्यप्रणालियों को समिति और सब्सिडी उपायों पर समिति को सूचित करेंगे।

(घ) एक बार चीन ने विश्व व्यापार संगठन के सदस्य आयात के राष्ट्रीय कानून के तहत, यह एक बाजार अर्थव्यवस्था है, की स्थापना की, उप-अनुच्छेद (क) के प्रावधानों को समाप्त किया जाएगा बशर्ते कि सदस्य के राष्ट्रीय कानून में बाजार अर्थव्यवस्था मानदंड शामिल हों। परिग्रहण का। किसी भी घटना में, उप-अनुच्छेद (क) (ii) के प्रावधान की तारीख के 15 साल बाद समाप्त हो जाएगा। इसके अलावा, चीन को विश्व व्यापार संगठन के सदस्य आयात के राष्ट्रीय कानून के अनुसार स्थापित होना चाहिए, कि बाजार अर्थव्यवस्था की स्थिति एक विशेष उद्योग या क्षेत्र में प्रबल होती है, उप-अनुच्छेद (क) के गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रावधान अब उस उद्योग या क्षेत्र पर लागू नहीं होंगे। "

27. यह नोट किया जाता है कि यद्यपि अनुच्छेद 15 (क) (ii) में दिए गए उपबंध 11.12.2016 को समाप्त हो गए हैं। तथापि, एक्सेशन प्रोटोकाल के 15 (क) (i) के अंतर्गत दायित्व के साथ पठित डब्ल्यू टी ओ के 2.2.1.1 के अंतर्गत उपबंध में भारतीय नियमावली के अनुबंध-I के पैरा 8 में निर्धारित मापदंड को बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे का दावा करने पर पूरक प्रश्नावली में प्रदत्त सूचना / आंकड़ों द्वारा पूरा किया जाना अपेक्षित है।

### **चीन जन. गण. में सभी सहयोगी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण**

#### **सामान्य मूल्य**

28. जांच शुरुआत के स्तर पर प्राधिकारी ने नियमावली के अनुबंध-I के पैरा 7 के अंतर्गत विकल्पों का मूल्यांकन करने के बाद प्रथमदृष्ट्या यह निष्कर्ष निकाला था कि परिकलित सामान्य मूल्य से इतर विकल्प इस मामले में सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु व्यवहार नहीं है। जांच शुरुआत पर प्राधिकारी ने चीन जन. गण. में उत्पादकों / निर्यातकों को जांच शुरुआत की सूचना का उत्तर देने तथा इस निर्धारण के लिए संगत सूचना प्रदान करने की सलाह दी थी कि क्या सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ उनके आंकड़े / सूचना अपनाई जा सकती है।
29. प्राधिकारी ने इस संबंध में संगत सूचना मंगाने के लिए सभी ज्ञात उत्पादकों / निर्यातकों को बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार / पूरक प्रश्नावली की प्रतियां भेजी थीं। परंतु किसी भी उत्पादक / निर्यातक ने एम ई टी दर्जे का दावा नहीं किया है। इस स्थिति तथा इस तथ्य के मद्देनजर की न तो याचिकाकर्ता और न ही किसी हितबद्ध पक्षकार ने नियमावली के अनुबंध-I के नियम 7 के किसी परंतुक के संबंध में कोई सूचना नहीं दी है। अतः सामान्य मूल्य को एसजीए व्ययों और नियमावली के पैरा 6(8) के अनुसार उत्पादन लागत पर 5 प्रतिशत की दर से तर्कसंगत लाभ के लिए आवश्यक समायोजन सहित यथा मानकीकृत भारत में उत्पादन लागत को अपना कर परिकलित किया गया है। अतः प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ सामान्य मूल्य \*\*\* अमेरिकी डॉलर प्रति एमटी के रूप में प्रस्तावित किया गया है।

**निर्यात कीमत**

30. प्राधिकारी नोट करते हैं कि मै० लक्सी केमिकल ग्रुप कंपनी लि०, क्लोर-अल्काली केमिकल ब्रांच, चीन, मै० शानडांग लियाओचेंग लक्सी न्यू मैटेरियल सेल कंपनी, लि०, चीन और मै० लियाओचेंग रूइजिन (हांगकांग) कंपनी, लि०, संबंधित कंपनियों ने उत्तर दिया है और निवल निर्यात कीमत (एन ई पी) निर्धारित करने हेतु अपेक्षित सूचना प्रदान की है। समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा और अन्य पर किए गए खर्च को उनकी सीआईएफ निर्यात कीमत से घटा दिया गया है। उपर्युक्त व्ययों को समायोजित करने के बाद प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ निवल कारखाना द्वार निर्यात कीमत \*\*\* अमेरिकी डॉलर प्रति एमटी है।

**चीन जन. गण. में सभी असहयोगी उत्पादकों / निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण**

31. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जन. गण. से किसी भी उत्पादक / निर्यातक ने निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है। अतः सहयोगी उत्पादकों / निर्यातकों के लिए नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर यथा उल्लिखित निर्धारित सामान्य मूल्य को असहयोगी उत्पादकों / निर्यातकों के लिए भी अपनाया गया है।

**चीन जन. गण. से असहयोगी उत्पादकों / निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत**

32. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जन. गण. से किसी उत्पादक / निर्यातक ने वर्तमान जांच में प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है। चीन जन. गण. सभी असहयोगी उत्पादकों / निर्यातकों के लिए प्राधिकारी ने सहयोगी उत्पादकों / निर्यातकों अर्थात् मै० लक्सी केमिकल ग्रुप कंपनी लि०, क्लोर-अल्काली केमिकल ब्रांच, चीन, मै० शानडांग लियाओचेंग लक्सी न्यू मैटेरियल सेल कंपनी, लि०, चीन और मै० लियाओचेंग रूइजिन (हांगकांग) कंपनी, लि० द्वारा प्रस्तुत उत्तर से सबसे कम निर्यात कीमत को अपना कर निवल निर्यात कीमत निर्धारित की है। प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ निवल निर्यात कीमत \*\*\* अमेरिकी डॉलर प्रति एमटी अपनाई गई है।

**सउदी अरब में सहयोगी उत्पादकों / निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण****सामान्य मूल्य**

33. यह नोट किया जाता है कि सउदी अरब से मेथेनॉल केमिकल कंपनी ने अलग मार्जिन के दावे के लिए वर्तमान मामले में ईक्यू का उत्तर प्रस्तुत किया है। यह पहले देखा गया कि क्या प्रतिवादी उत्पादक / निर्यातक द्वारा उनके घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु की घरेलू बिक्री प्रतिनिधि थी अथवा नहीं और उनकी घरेलू बिक्री कीमतों के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण करना व्यवहार्य है और क्या कंपनी द्वारा प्रदत्त आंकड़ों के अनुसार व्यापार का सामान्य प्रक्रिया परीक्षण पूरा होता है। कंपनी ने अपने घरेलू बाजार में समान वस्तु की बिक्री के सौदावार ब्यौरे प्रदान किये हैं। यह पाया गया है कि प्रतिवादी उत्पादक / निर्यातक द्वारा उनके घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु की घरेलू बिक्रियां प्रतिनिधि नहीं हैं, क्योंकि वह भारत को पी यू सी के कुल निर्यात के 5 प्रतिशत से कम हैं। भारत से इतर तीसरे देश को निर्यातों के ब्यौरे उत्पादक / निर्यातक से मांगे गए थे। निर्यातक ने भारत से इतर देशों से निर्यातक कीमत के ब्यौरे प्रदान किए गए हैं। प्रारंभिक जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने पी यू सी के उत्पादक / निर्यातक की उत्पादन लागत के आधार पर सामान्य मूल्य पर विचार करने का प्रस्ताव किया गया है। प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ इस प्रकार निर्धारित सामान्य मूल्य \*\*\* अमेरिकी डॉलर प्रति एमटी है।

**निर्यात कीमत**

34. सउदी अरब से मेथेनॉल केमिकल कंपनी द्वारा प्रस्तुत निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर से प्राधिकारी नोट करते हैं कि कंपनी ने पी ओ आई के दौरान भारत को \*\*\* एमटी संबद्ध वस्तु का निर्यात किया है। कंपनी ने अंतर्देशीय भाड़े और पत्तन संभलाई व्यय, समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा, ऋण व्यय और बैंक प्रभार के लिए समायोजन

प्रस्तुत किए हैं और ऊपर कारखानाद्वारा निर्यात कीमत ज्ञात करने हेतु विचार किया गया है। पी ओ आई के लिए कंपनी हेतु निर्धारित निवल निर्यात कीमत इस प्रकार \*\*\* अमेरिकी डॉलर प्रति एमटी बनती है।

#### **सउदी अरब से असहयोगी उत्पादकों / निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य**

35. प्राधिकारी नोट करते हैं कि सउदी अरब से किसी अन्य उत्पादक / निर्यातक ने निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है। अतः सामान्य मूल्य का परिकलन नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार एस जी ए व्यय और उत्पादन लागत पर 5 प्रतिशत की दर से तर्कसंगत लाभ के आवश्यक समायोजन सहित यथा मानकीकृत भारत में उत्पादन लागत को अपनाकर किया गया है। अतः प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ सामान्य मूल्य के \*\*\* अमेरिकी डॉलर प्रति एमटी के रूप में प्रस्ताव किया गया है।

#### **सउदी अरब से असहयोगी उत्पादकों / निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत**

36. प्राधिकारी नोट करते हैं कि सउदी अरब से किसी अन्य उत्पादक / निर्यातक ने वर्तमान जांच में प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है। सउदी अरब से सभी असहयोगी उत्पादकों / निर्यातकों के लिए प्राधिकारी ने मेथेनाल केमिकल कंपनी द्वारा प्रस्तुत उत्तरों से सबसे कम निर्यात कीमत को अपनाकर निवल निर्यात कीमत निर्धारित की है। इस प्रकार निर्धारित निवल निर्यात कीमत \*\*\* अमेरिकी डॉलर प्रति एमटी बनती है।

#### **पाटन मार्जिन**

37. भारत में कारखानाद्वारा निर्यात कीमत की तुलना पाटन मार्जिन निर्धारित करने के लिए सामान्य मूल्य के साथ की गई है। निम्नांकित तालिका संबद्ध देशों की मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी उत्पादकों के लिए पी ओ आई के दौरान भारत औसत पाटन मार्जिन को दर्शाती है।
38. यह देखा जाता है कि पाटन मार्जिन काफी अधिक है और प्रत्येक संबद्ध देश से किए गए निर्यातों के संबंध में नियमावली के अंतर्गत विहित सीमाओं से अधिक है।

क्र. सं.	देश	उत्पादक	सामान्य मूल्य यू एस डॉलर/ एमटी	निवल निर्यात कीमत यूएस डॉलर/ एमटी	पाटन मार्जिन यूएस / एमटी	पाटन मार्जिन %	पाटन मार्जिन % (रेंज)
1	चीन जन. गण.	मेसर्स लिआओचेंग लक्सी मेहटलिमाइन केमिकल कंपनी लिमिटेड,	***	***	***	***	60-70
2	चीन जन. गण.	असहयोगी उत्पादक/निर्यातक	***	***	***	***	75-80
3	सउदी अरब	मेथेनॉल केमिकल्स कंपनी	***	***	***	***	25-30
4	सउदी अरब	असहयोगी उत्पादक/निर्यातक	***	***	***	***	110-120

#### **पाटन मार्जिन सारणी**

#### **छ. क्षति का आकलन और कारणात्मक संबंध**

#### **घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध**

39. घरेलू उद्योग ने याचिका में अन्य बातों के साथ-साथ निम्नानुसार अनुरोध किए हैं :-

- आयातों के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन आयातित वस्तु और समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की दशाओं के आलोक में उचित है।

- ii. संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मात्रा में जांच अवधि के दौरान समग्र रूप से भारी वृद्धि हुई है। आयातों में ऐसी वृद्धि पाटित कीमत की पेशकश करके तीव्र रूप से हुई है।
- iii. पी ओ आई तक आयातों में वृद्धि को कीमतों में कटौती के साथ देखा जाना चाहिए जिससे यह पता चलेगा कि संबद्ध देशों से उत्पादकों / निर्यातकों ने घरेलू उद्योग को कीमत संबंधी भारी क्षति पहुंचाते हुए बाजार में प्रभुत्व बनाने के लिए कीमतों में और अधिक कटौती की है। भारतीय मांग में ऐसा हिस्सा बनाये रखने के लिए पाटन को एक रणनीति के रूप में अपनाया गया है और इससे डी आई के लिए मात्रा में प्रत्याशित वृद्धि कम हो गई है। अब डी आई को अत्यधिक वित्तीय घाटे उठाने पड़ रहे हैं।
- iv. संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मात्रा कीमत कटौती और कीमत ह्रास के स्तरों पर रही है। इससे घरेलू उद्योग के कीमत निर्धारण निर्णय प्रभावित हुए हैं।
- v. चीन जन. गण. और सउदी अरब से अलग-अलग संचयी रूप से कीमत कटौती अत्यधिक सकारात्मक रही है। इस प्रकार पाटित आयातों ने घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तावित कीमतों पर कीमत कटौती प्रभाव डाला है जिससे घरेलू उद्योग ऐसे कम स्तर पर बिक्री करने को बाध्य हुआ है जिससे घरेलू उद्योग अपनी लागत की वसूली भी नहीं कर पा रहा है और घाटे उठा रहा है।
- vi. डी आई का एन एस आर स्पष्ट रूप से न्यूनीकृत और अलाभकारी है। इस प्रकार घरेलू उद्योग को कीमत न्यूनकारी प्रभाव का सामना करना पड़ा है जो इस तथ्य से स्पष्ट है कि कीमत में वृद्धि आयातों की पहुंच कीमत द्वारा न्यूनीकृत कर दी गई थी।
- vii. याचिका में सूचना दर्शाती है कि यद्यपि उत्पादन मात्रा, क्षमता उपयोग, बिक्री और बाजार हिस्से जैसे क्षति संबंधी मापदंडों में क्षति अवधि और पी ओ आई में कुछ वृद्धि प्रदर्शित हुई है। तथापि, तथ्य यह है कि ऐसे मापदंडों संबंधी वास्तविक कार्य निष्पादन मानक स्तरों से कम रहा था और यह वृद्धि काफी कम आधार अंकों का परिणाम है और उससे कोई सार्थक वृद्धि प्रदर्शित नहीं होती है।
- viii. घरेलू उद्योग पी ओ आई के दौरान केवल \*\*\*\* प्रतिशत के क्षमता उपयोग स्तर पर प्रचालन कर सकता था और इतना कम क्षमता उपयोग इस तथ्य का परिणाम है कि मांग में बाजार हिस्से का लगभग 78 प्रतिशत पाटित आयातों के पास है।
- ix. उपयोग का इतना कम स्तर प्रभाव पाटित आयातों के कारण है जो मात्रा संबंधी अन्य मापदंडों में परिलक्षित है और ऐसी कम मात्राओं के परवर्ती प्रभाव कीमत संबंधी मापदंडों में भी परिलक्षित होते हैं।
- x. संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटन के कारण घरेलू उद्योग द्वारा उठायी गई क्षति कीमत संबंधी मापदंडों में भी स्पष्ट है। पाटित आयातों की पहुंच कीमत जिससे कीमत कटौती, कीमत ह्रास / न्यूनीकरण और कम कीमत पर बिक्री प्रभाव हुये थे, से घरेलू उद्योग अपनी उत्पादन लागत से कम पर बिक्री करने को विवश हुआ है और परिणामस्वरूप पुनः घरेलू उद्योग को 2018-19 से वित्तीय घाटे होना शुरू हो गया है और यह घाटे पी ओ आई के दौरान उच्चतम रहे थे।
- xi. घरेलू उद्योग की लाभप्रदता 2017-18 अर्थात आधार वर्ष तक थोड़ी सकारात्मक थी। पुनः वर्तमान पी ओ आई तक भारी घाटे में बदल गई। प्रति इकाई लाभ में आधार वर्ष में -100 बिंदु से पीओआई में -479 बिंदु तक घट गया है जो एक तीव्र और भारी गिरावट है।
- xii. आरओसीई में 2018-19 से और पीओआई के दौरान भारी गिरावट आई है जो पाटित आयातों द्वारा सृजित कीमत क्षति के कारण घरेलू उद्योग द्वारा झेले गए वित्तीय घाटे का परिणाम है। आरओसीई \*\*\*\* प्रतिशत की रेंज में काफी ऋणात्मक रही है।

- xiii. यह स्पष्ट है कि संबद्ध देशों से उत्पादकों / निर्यातकों ने अपनी कीमतों में इतनी अधिक कटौती की है और ऐसा लक्षित पाटन किया है जिससे इतनी भारी कीमत कटौती द्वारा घरेलू उद्योग को अपनी लागत से कम तक कीमतें घटानी पड़ी हैं। जिससे लाभप्रदता संबंधी सभी मानदंडों पर वास्तविक क्षति हुई है।
- xiv. मात्रा और कीमत मापदंडों में प्रतिकूल स्थिति अन्य मुख्य मापदंडों में भी प्रदर्शित होती है। इस प्रकार घरेलू उद्योग को चीन जन. गण. और सउदी अरब से संबद्ध वस्तु के पाटन के कारण वास्तविक क्षति हुई है।
- xv. घरेलू उद्योग को हुई क्षति केवल संबद्ध देशों पी यू सी के पाटन आयातों के कारण हुई है। यदि कोई पाटन नहीं होता तो घरेलू उद्योग की स्थिति अत्यधिक बाजार हिस्से और मध्यम क्षमता उपयोग के साथ बेहतर कार्य निष्पादन और लाभप्रदता की होती। इससे पता चलता है कि घरेलू उद्योग को क्षति केवल संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटन के कारण हुई है।
- xvi. हाल में, संबद्ध वस्तु से संबंधित पाटनरोधी जांच के अंत में पी यू सी के आयात पर किसी शुल्क की सिफारिश नहीं करने के प्राधिकारी के निर्णय को संबद्ध देशों से उत्पादकों / निर्यातकों द्वारा भारत में अधिक पाटन के सुनहरे अवसर के रूप में लिया गया और उक्त जांच परिणामों के बाद पाटन की तीव्रता में अत्यधिक वृद्धि हो गई है। डी आई पुनः प्राधिकारी के समक्ष है, परंतु इस बार क्षति की स्थिति अत्यधिक खराब और विनाशकारी है। यदि शीघ्र पाटनरोधी शुल्क लागू नहीं होता है तो घरेलू उद्योग पूर्णतः बंद हो जाएगा और इसलिए उद्योग विस्तृत जांच और प्राधिकारी द्वारा निश्चयात्मक उपायों के होने तक तत्काल अनंतिम उपायों हेतु प्रार्थना करता है।

#### **अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध**

40. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा क्षति के संदर्भ में उनके उत्तरों में अन्य बातों के साथ-साथ किए गए अनुरोध निम्नानुसार हैं:-
- संबद्ध देशों से आयातों के कारण घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हो रही है।
  - पी यू सी पर पाटनरोधी शुल्क लगाने से उन आयातकों और अंतिम प्रयोक्ताओं पर विध्वंसकारी प्रभाव होगा जो कच्ची सामग्री के लिए आयातों पर निर्भर हैं। इसके अलावा, ऐसे शुल्क लागू होने से आयातक घरेलू उत्पादकों की दया और इच्छा पर आश्रित हो जाएंगे, जिनके पास घरेलू मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त क्षमता नहीं है।

#### **प्राधिकारी द्वारा जांच**

41. प्राधिकारी ने इस जांच में अब तक याचिकाकर्ता और विरोधी हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए अनुरोधों को नोट किया है और पाटनरोधी नियमावली के अनुसार उनकी जांच की है तथा इस अनंतिम जांच परिणाम में संगत स्थान पर समुचित रूप से उनका समाधान किया है।

#### **i संचयी आकलन**

42. 42. एंटी-डंपिंग नियमों के अनुबंध II के पैरा (iii) में यह प्रावधान है कि ऐसे मामले में जहां एक से अधिक देशों के उत्पाद का एक साथ आयात किया जा रहा हो, डंपिंग रोधी जांच के अधीन हो, प्राधिकरण ऐसे आयातों के प्रभाव का आंकलन करेगा। यदि यह निर्धारित करता है कि:
- क) प्रत्येक देश से आयात के संबंध में स्थापित डंपिंग का मार्जिन निर्यात मूल्य के प्रतिशत के रूप में व्यक्त किए गए दो प्रतिशत से अधिक है और प्रत्येक देश से आयात का आयतन लेख के आयात के तीन प्रतिशत (या अधिक) या जहां आयात होता है व्यक्तिगत देशों में तीन प्रतिशत से कम है, आयात सामूहिक रूप से लेख के आयात के सात प्रतिशत से अधिक के लिए जिम्मेदार है; तथा



ख) आयात के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन आयातित लेख और इस तरह के घरेलू लेखों के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों के मद्देनजर उचित है।

43. प्राधिकारी नोट करते हैं कि :

क. संबद्ध वस्तु संबद्ध देशों से भारत में पाटित की जा रही हैं प्रत्येक संबद्ध देश से पाटन मार्जिन नियमावली के अंतर्गत विहित न्यूनतम सीमा से अधिक है।

ख. प्रत्येक संबद्ध देश से आयातों की मात्रा अलग-अलग आयातों की कुल मात्रा से 3 प्रतिशत से अधिक है।

ग. आयातों के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन उचित है, क्योंकि संबद्ध देशों से निर्यात न केवल परस्पर सीधे प्रतिस्पर्धा करते हैं, बल्कि भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग की समान वस्तु से भी प्रतिस्पर्धा करते हैं।

घ. उपर्युक्त के मद्देनजर प्राधिकारी मानते हैं कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों से घरेलू उद्योग को हुई क्षति का संचयी आंकलन करना उचित है।

ड. अनुबंध-2 के साथ पठित पाटन-रोधी नियमावली के नियम-11 में किसी क्षति के निर्धारण में यह उपबंध है कि किसी क्षति जांच में " .... ...पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत कारकों को ध्यान में रखते हुए.. "... ऐसे कारकों की जांच शामिल होगी, जिनसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का पता चल सकता हो। कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय इस बात पर विचार करना आवश्यक है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से की कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रुकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती। भारत में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए उद्योग की स्थिति को प्रभावित करने वाले उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्रियों की मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निबल बिक्री वसूली, पाटन की मात्रा और मार्जिन आदि जैसे सूचकों पर पाटन-रोधी नियमावली के अनुबंध-11 के अनुसार विचार किया गया है।

## ii. घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव

### क. मांग और स्पष्ट खपत का आकलन

44. वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने भारत में उत्पाद की मांग या स्पष्ट खपत को भारतीय उत्पादकों की घरेलू बिक्रियों और सभी स्रोतों से आयात के योग के रूप में लिया है। इस प्रकार आकलित मांग में क्षति जांच अवधि और पीओआई के दौरान वृद्धि हुई है।

विवरण	यूनिट	2016-17	2017-18	2018-19	पीओआई- जनवरी- 2019 से सितंबर- 2019	पीओआई वार्षिककृत
चीन जन. गण. से आयात	एमटी	10,237	5,624	9,392	6,379	8505
सउदी अरब से आयात	एमटी	23,802	26,101	35,456	23,120	30827
संबद्ध देशों से कुल आयात	एमटी	34,039	31,725	44,848	29,499	39,332
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	93	132	116	116
अन्य देशों से कुल आयात	एमटी	3,218	3,110	3,017	821	1,094
देश में कुल आयात	एमटी	37,257	34,835	47,865	30,319	40,426



याचिकाकर्ता की घरेलू बिक्री	एमटी	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	255	177	304	304
अन्य उत्पादकों की घरेलू बिक्रियां	एमटी	0	0	0	0	0
कुल मांग	एमटी	40,496	43,104	53,603	37,698	50,264
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	106	132	124	124

45. जैसा उपर्युक्त तालिका से देखा जा सकता है कि भारत में संबद्ध वस्तु की मांग में क्षति अवधि और पीओआई (ए) के दौरान भारी वृद्धि हुई है। मांग जो आधार वर्ष में 40496 थी पीओआई(ए) में बढ़ कर 50264 हो गई। इस प्रकार मांग में किसी गिरावट को घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं माना जा सकता है। आयात तथा घरेलू उद्योग की बिक्रियों में भी समान अवधि में वृद्धि हुई है।

**ख. संबद्ध देशों से आयात मात्राएं**

46. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में प्राधिकारी के लिए यह विचार करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप से अथवा भारत में उत्पादन या खपत की दृष्टि से भारी वृद्धि हुई है।

विवरण	यूनिट	2016-17	2017-18	2018-19	पीओआई- जनवरी-2019 से सितंबर- 2019	पीओआई वार्षिककृत
चीन जन. गण. से आयात	एमटी	10,237	5,624	9,392	6,379	8505
सउदी अरब से आयात	एमटी	23,802	26,101	35,456	23,120	30827
संबद्ध देशों से कुल आयात	एमटी	<b>34,039</b>	<b>31,725</b>	<b>44,848</b>	<b>29,499</b>	<b>39,332</b>
आयात मात्रा में बाजार हिस्सा						
चीन जन. गण.	%	27	16	20	21	21
सउदी अरब	%	64	75	74	76	76
संबद्ध देशों का हिस्सा	%	91	91	94	97	97
अन्य देशों का हिस्सा	%	9	9	6	3	3
कुल	%	100	100	100	100	100

47. यह देखा जाता है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों में 2016-17 में 34039 एमटी से समग्र रूप से पीओआई(ए) में 39332 एमटी की वृद्धि हुई है। इसके अलावा, भारत में समग्र आयातों में संबद्ध देशों से पाटित आयातों के हिस्से में वृद्धि हुई है। जबकि क्षति अवधि और पीओआई (ए) में अन्य देशों से आयातों के हिस्से में कमी आयी है।

**ग. सापेक्ष रूप से संबद्ध देशों से आयात**

विवरण	यूनिट	2016-17	2017-18	2018-19	पीओआई- जनवरी-2019 से सितंबर- 2019	पीओआई वार्षिककृत
संबद्ध देशों से कुल आयात	एमटी	34,039	31,725	44,848	29,499	39,332
कुल मांग	एमटी	40,496	43,104	53,603	37,698	50,264
घरेलू उद्योग का उत्पादन	एमटी	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	205	158	175	234
भारतीय खपत की दृष्टि से संबद्ध देशों से आयात	%	84	74	84	78	78
घरेलू उद्योग की दृष्टि से संबद्ध देशों से आयात	%	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	45	83	49	49

48. यह देखा जाता है कि संबद्ध देशों से पाटित आयातों में उत्पादन की दृष्टि से वृद्धि हुई है और आधार वर्ष तथा पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में 2018-19 को छोड़कर पीओआई (ए) में मांग में गिरावट आई है। यद्यपि, पीओआई (ए) में ऐसे आयातों में समग्र रूप से वृद्धि हुई है और ऐसे पाटित आयातों का हिस्सा समग्र मांग में काफी अधिक बना हुआ है।

**घ. मांग में बाजार हिस्सा**

विवरण	यूनिट	2016-17	2017-18	2018-19	पीओआई- जनवरी-2019 से सितंबर- 2019	पीओआई वार्षिककृत
संबद्ध देशों से कुल आयात	एमटी	34,039	31,725	44,848	29,499	39,332
घरेलू उद्योग की विक्रियां	एमटी	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	255	177	228	304
कुल मांग	एमटी	40,496	43,104	53,603	37,698	50,264
<b>मांग में बाजार हिस्सा</b>						
घरेलू उद्योग	%	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	238	138	250	250
संबद्ध देशों से कुल आयात	%	84	74	84	78	78
अन्य देशों से आयात	%	8	7	6	2	2
अन्य उत्पादकों की विक्रियां	%	0	0	0	0	0
कुल	%	100	100	100	100	100

49. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध आयातों के बाजार हिस्से में आधार वर्ष की तुलना में पीओआई (ए) तक समग्र मांग में गिरावट आई है। यद्यपि 2017-18 तक इनमें वृद्धि हुई है। मांग में याचिकाकर्ता के हिस्से ने क्षति अवधि और पीओआई (ए) के दौरान वृद्धि हुई है। यद्यपि मांग में पाटित आयातों के हिस्से में गिरावट आई है। तथापि, वह पीओआई (ए) के दौरान 78 प्रतिशत बना रहा है जिसे अत्यधिक स्तर के रूप में नोट किया गया है।

### iii. घरेलू उद्योग पर आयातों पर कीमत प्रभाव

50. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में इस बात का विश्लेषण करना अपेक्षित है कि क्या कथित पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पाद की कीमत के संबंध में भारी कीमत कटौती की गई है या क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा कीमतों में कमी करना है या ऐसी कीमत वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा सामान्य प्रक्रिया में बढ़ गई होती। संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमत पर प्रभाव की कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत ह्रास और कीमत न्यूनीकरण यदि कोई हो, के संदर्भ में जांच की गई है। इस विश्लेषण के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग के उत्पादन लागत, निवल बिक्री प्राप्ति (एनएसआर) और क्षतिरहित कीमत (एनआईपी) की तुलना संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों की पहुंच कीमत के साथ की गई है।

### क) कीमत कटौती

51. कीमत कटौती विश्लेषण के प्रयोजन के लिए घरेलू उद्योग की निवल बिक्री कीमत की तुलना संबद्ध देश से आयातों के पहुँच मूल्य के साथ की गई है। घरेलू उद्योग की निवल बिक्री कीमत का परिकलन करते समय सभी कर, छूटें, रियायतें और कमीशन को घटा दिया गया है और कारखानागत स्तर पर बिक्री वसूली पर पाटित आयातों के पहुँच मूल्य के साथ तुलना के लिए निर्धारित किया गया है। तदनुसार, संबद्ध देशों के पाटित आयातों का कटौती प्रभाव निम्नलिखित रूप में निकलता है:

विवरण	यूनिट	चीन जन. गण.	सउदी अरब	संबद्ध देश
निवल बिक्री प्राप्ति	रु/कि.ग्रा.	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	100
पहुँच मूल्य (एलवी)	रु/कि.ग्रा.	58.80	56.73	57.76
कीमत कटौती	रु/कि.ग्रा.	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	179	139
कीमत कटौती	एलवी का %	***	***	***
कीमत कटौती	रेंज	1-10	1-10	1-10

52. उपरोक्त तालिका से यह देखा जा सकता है कि संबद्ध देशों से आयात याचिकाकर्ता की घरेलू बिक्री कीमत से कम कीमत पर आ रहे हैं। जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों के लिए कीमत कटौती और अलग-अलग और संचयी दोनों तरह से सकारात्मक हैं।

### ख) कीमत ह्रास / न्यूनीकरण

53. यह निर्धारित करने के लिए कि क्या पाटित आयात घरेलू कीमतों का ह्रास कर रहे हैं और क्या इन आयातों का प्रभाव कीमतों का काफी मात्रा तक न्यूनीकरण करना अथवा ऐसी कीमत वृद्धि रोकना है जो अन्यथा सामान्य प्रक्रिया में हुई होती, क्षति की अवधि में लागतों और कीमतों में परिवर्तनों की तुलना निम्नलिखित रूप में की गई थी:

विवरण	यूनिट	2016-17	2017-18	2018-19	पीओआई- जनवरी-2019 से सितंबर- 2019
बिक्रियों की लागत	रु/कि.ग्रा.	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	101	127	120
घरेलू बिक्री कीमत	रु/कि.ग्रा.	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	113	128	108
पहुंच मूल्य-संबद्ध देश	रु/कि.ग्रा.	50.60	60.59	68.78	57.76
	सूचीबद्ध	100	120	136	115

54. उपरोक्त तालिका से यह देखा जा सकता है कि संबद्ध देशों से आयात ऐसी कीमतों पर हो रहे हैं जो घरेलू उद्योग की बिक्री लागत से कम है। इससे पीओआई (ए) के दौरान घरेलू उद्योग को कीमत घटानी पड़ी है और इससे ऐसी स्थिति उत्पन्न हुई जिससे घरेलू उद्योग को बिक्री लागत से कम पर बिक्री करने को बाध्य होना पड़ा जिससे वित्तीय घाटा हुआ। यह भी नोट किया जाता है कि यद्यपि बिक्रियों की लागत और एन एस आर में इन वर्षों में वृद्धि हुई है। तथापि, पाटित आयातों की पहुंच कीमत निरंतर घरेलू उद्योग की लागत और कीमत से कम रही है जिससे ऐसे पहुंच मूल्य के प्रतिकूल कीमत प्रभाव का संकेत मिलता है।

#### ग) कम कीमत पर बिक्री

55. घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमत (एन आई पी) निर्धारित की गई है और उसकी तुलना कम कीमत पर बिक्री ज्ञात करने के लिए संबद्ध वस्तु के पहुंच मूल्य के साथ की गई है। विचाराधीन उत्पाद की एन आई पी का निर्धारण नियमावली के अनुबंध-III में उल्लिखित सिद्धांतों के आधार पर जांच अवधि के लिए उत्पादन लागत से संबंधित सूचना / आंकड़ों को अपनाकर किया गया है। विश्लेषण से पता चलता है कि जांच अवधि के दौरान संबद्ध आयातों का पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमत से कम था जैसा नीचे तालिका से देखा जा सकता है जो सकारात्मक कम कीमत पर बिक्री प्रभाव दर्शाती है :-

विवरण	यूनिट	चीन जन. गण.	सउदी अरब
पीओआई के लिए पहुंच मूल्य	रु/कि.ग्रा.	58.80	56.73
क्षतिरहित कीमत (एनआईपी)	रु/कि.ग्रा.	***	***
क्षति मार्जिन	रु/कि.ग्रा.	***	***
	%	***	***
	रेंज	30-50	35-55

56. उपरोक्त तालिका से यह देखा जा सकता है कि भारत में आयात घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमत से काफी कम कीमत पर हो रहे हैं। इस प्रकार पीओआई के दौरान संबद्ध देशों से कम कीमत पर बिक्री सकारात्मक और काफी अधिक है।

#### iv. घरेलू उद्योग का आर्थिक मापदंड

57. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में यह अपेक्षित है कि क्षति के निर्धारण में समान उत्पाद के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की तथ्यपरक जांच शामिल होगी। नियमों में आगे यह उपबंध है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में समस्त संगत आर्थिक मापदंडों और बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता उपयोग में वास्तविक एवं संभावित गिरावट सहित घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले संकेतकों; घरेलू कीमतों, पाटन मार्जिन की

मात्रा, नकद प्रवाह, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभावों का तथ्यपरक एवं निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होगा। घरेलू उद्योग के निष्पादन की जांच से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है। घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न क्षति मापदंडों पर निम्नानुसार चर्चा की गई है :-

58. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा अब तक उनके अनुरोधों में दिए गए विभिन्न तथ्यों और तर्कों पर वस्तुनिष्ठ ढंग से विचार करके क्षति संबंधी मापदंडों की जांच की है।

**क) उत्पादन क्षमता, बिक्री और क्षमता उपयोग**

59. उत्पादन, घरेलू बिक्री, क्षमता और क्षमता उपयोग के संबंध में घरेलू उद्योग का कार्य निष्पादन निम्नानुसार था :-

विवरण	यूनिट	2016-17	2017-18	2018-19	पीओआई- जनवरी-2019 से सितंबर- 2019	पीओआई वार्षिककृत
स्थापित क्षमता	एमटी	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	100	75	100
उत्पादन	एमटी	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	205	158	175	234
क्षमता उपयोग	%	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	205	158	234	234
घरेलू बिक्रियां	एमटी	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	255	177	228	304

60. याचिकाकर्ता की क्षमता, उत्पादन, बिक्री और क्षमता उपयोग का रूझान सकारात्मक था, परंतु याचिकाकर्ता मांग के अनुरूप से संबंधित उत्पाद की बिक्री में वृद्धि करने में सक्षम नहीं है, क्योंकि संबद्ध देशों से भारी मात्रा में पाटित आयात आ रहे हैं। घरेलू उद्योग की बिक्री में वृद्धि को पीओआई (ए) में पाटित आयातों द्वारा धारित लगभग 78 प्रतिशत बाजार हिस्से के साथ नोट किया गया है।

**ख) लाभप्रदता, निवेश पर आय और नकद लाभ**

61. घरेलू उद्योग की लाभप्रदता, निवेश पर आय और नकद लाभ क्षति अवधि के दौरान नीचे तालिका में दिए गए हैं-

विवरण	यूनिट	2016-17	2017-18	2018-19	पीओआई- जनवरी-2019 से सितंबर- 2019	पीओआई वार्षिककृत
लाभ/हानि	रू. कि.ग्रा.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-100	248	-78	-479	-479
व्याज और कर पूर्व लाभ / (हानि) (पीबीआईटी)	रू. लाख	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-100	761	-141	-1661	-1661

विवरण	यूनिट	2016-17	2017-18	2018-19	पीओआई- जनवरी-2019 से सितंबर- 2019	पीओआई वार्षिककृत
नकद लाभ	रू. लाख	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	620	89	-831	-831
नियोजित पूंजी	रू. लाख	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	104	104	109	109
नियोजित पूंजी पर आय	%	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-100	731	-136	-1529	-1529

62. उपरोक्त तालिका से यह नोट किया जाता है कि :

- क) घरेलू उद्योग की लाभप्रदता संबद्ध देश से उत्पादकों / निर्यातकों द्वारा पाटन में तीव्रता के कारण बुरी तरह से प्रभावित हुई है। घरेलू उद्योग के व्याज और कर पूर्व लाभ (पीबीआईटी) में पीओआई के दौरान भारी गिरावट आई है और यह ऋणात्मक रहे थे। पीबीआईटी जो 2016-17 में -100 सूचीबद्ध था 2017-18 में बढ़कर 761 बिंदु हो गया और पीओआई के दौरान तेजी से घटकर -1661 सूचीबद्ध बिंदु रह गया।
- ख) प्रति इकाई लाभ में पीओआई (ए) के दौरान तेजी से गिरावट आई और पीओआई (ए) के दौरान यह ऋणात्मक रहा। घरेलू उद्योग द्वारा उठाए गए प्रति इकाई घाटे काफी अधिक हैं।
- ग) इसी प्रकार घरेलू उद्योग नकद लाभ में भारी गिरावट आई है। 2016-17 में 100 सूचीबद्ध बिंदुओं के नकद लाभ से पीओआई(ए) के दौरान यह घटकर -831 सूचीबद्ध बिंदु रह गया।
- घ) लाभप्रदता की ही तरह नियोजित पूंजी पर आय में भी 2016-17 में -100 सूचीबद्ध बिंदुओं से पीओआई (ए) के दौरान -1529 सूचीबद्ध बिंदुओं की जबरदस्त गिरावट आई। पीओआई (ए) के दौरान आरओसीई में गिरावट 2017-18 की तुलना में अधिक है जिसमें आरओसीई सकारात्मक रहा था। पीओआई के दौरान घरेलू उद्योग का आरओसीई \*\*\*\* प्रतिशत की रेंज में काफी अधिक ऋणात्मक नोट किया गया है।

#### ग) रोजगार उत्पादकता और मजदूरी

63. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के रोजगार उत्पादकता और मजदूरी नीचे तालिका में दिए गए हैं-

विवरण	यूनिट	2016-17	2017-18	2018-19	पीओआई- जनवरी- 2019 से सितंबर- 2019
रोजगार	संख्या	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	105	105	105
मजदूरी	रू. कि.ग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	107	123	120

विवरण	यूनिट	2016-17	2017-18	2018-19	पीओआई- जनवरी- 2019 से सितंबर- 2019
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	एमटी/व्यक्ति	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	195	151	223

64. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग का रोजगार पूरी क्षति जांच अवधि और पीओआई के दौरान लगभग स्थिर रहा था। तथापि, पीओआई तक प्रति कर्मचारी उत्पादकता में भारी वृद्धि हुई।

#### घ) मालसूची

65. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की मालसूची की स्थिति नीचे तालिका में दी गई है-

विवरण	यूनिट	2016-17	2017-18	2018-19	पीओआई- जनवरी-2019 से सितंबर- 2019
औसत मालसूची	एमटी	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	102	112	89

66. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की औसत मालसूची में आधार वर्ष की तुलना में पीओआई के दौरान गिरावट आई है।

#### ड.) वृद्धि

67. प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पादन और घरेलू बिक्री जैसे मात्रात्मक मापदंडों के संबंध में घरेलू उद्योग की वृद्धि सकारात्मक रही है, परंतु लाभ, निवेश पर आय आदि जैसी कीमत मापदंडों में गिरावट आई है और जांच अवधि के दौरान वृद्धि ऋणात्मक रही है।

#### च) पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता

68. प्राधिकारी नोट करते हैं कि देश में उत्पाद की बढ़ती हुई मांग को देखते हुए घरेलू उद्योग में संयंत्र और मशीनरी पर भारी निवेश किया है। तथापि, इन निवेशों के बावजूद घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में पर्याप्त गिरावट आई है और आगे निवेश बुरी तरह प्रभावित हो सकता है।

#### छ) घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

69. संबद्ध देश से आयात की कीमतों, लागत संरचना में परिवर्तन, घरेलू बाजार में प्रतिस्पर्धा, पाटित आयातों को छोड़कर अन्य कारकों जो घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकते हैं, आदि की जांच यह दर्शाती है कि संबद्ध देश से आयातित सामग्री का पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत के लिए निर्धारण हैं। वस्तुतः घरेलू उद्योग आयातों की कीमतों से मेल खा रहा है और लागतों में वृद्धि के अनुपात में अपनी कीमतें नहीं बढ़ाई हैं। यह दर्शाता है कि संबद्ध देशों से संबद्ध सामानों की पहुंच कीमतें घरेलू उद्योग की कीमतों को प्रभावित कर रही हैं जिससे भारतीय बाजार में कम कीमत पर बिक्री से वित्तीय घाटे हो रहे हैं। यह भी नोट किया जाता है कि संबद्ध वस्तु की मांग में पीओआई सहित क्षति अवधि के दौरान भारी वृद्धि हुई है और इसलिए यह घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाला कारक नहीं हो सकता है। इस प्रकार अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष हो सकता है कि घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाला प्रमुख कारक संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटित आयात हैं।



**ज) क्षति की मात्रा और क्षति मार्जिन**

70. प्राधिकारी ने यथासंशोधित अनुबंध-III के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली में निर्धारित सिद्धांतों के आधार पर घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमत निर्धारित की है। विचाराधीन उत्पाद की एन आई पी का निर्धारण जांच अवधि के लिए उत्पादन लागत से संबंधित सूचना / आंकड़ों को अपनाकर किया गया है। घरेलू उद्योग एन आई पी ज्ञात की गई है और क्षति मार्जिन के परिकलन हेतु उसकी तुलना संबंध देशों से उत्पादकों / निर्यातकों की पहुंच कीमत के साथ की गई है। "सभी अन्य" दर को प्राधिकारी के पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निर्धारित किया गया है।

**क्षति मार्जिन**

क्र. सं.	देश	उत्पादक	एनआईपी यूएस डॉलर/एमटी	पहुंच मूल्य डॉलर/एमटी	क्षति मार्जिन डॉलर/एमटी	क्षति मार्जिन %	क्षति मार्जिन % रेंज
1	चीन जन. गण.	मेसर्स लिआओचेंग लक्सी मेह्टलिमाइन केमिकल कंपनी लिमिटेड,	***	***	***	***	30-50
2	चीन जन. गण.	सभी असहयोगी उत्पादक / निर्यातक	***	***	***	***	35-55
3	सउदी अरब	मेथेनॉल केमिकल्स कंपनी	***	***	***	***	35-55
4	सउदी अरब	सभी असहयोगी उत्पादक/ निर्यातक	***	***	***	***	60-80

**ज. गैर आरोपण विश्लेषण**

71. पाटनरोधी नियमावली के अनुसार प्राधिकारी के लिए अन्य बातों के साथ-साथ यह जांच करना अपेक्षित है कि क्या उसी समय पाटित आयातों से इतर किसी ज्ञात कारक से घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है। ताकि अन्य कारकों द्वारा हुई क्षति के लिए पाटित आयातों को जिम्मेदार न ठहराया जाए। इस संबंध में संगत कारकों में अन्य बातों के साथ-साथ पाटित कीमतों पर नहीं बेचे गए आयातों की मात्रा और कीमतें, मांग में संकुचन या खपत की प्रवृत्ति में प्रवर्तन, व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाएं और विदेशी और घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा, प्रौद्योगिकी में विकास और घरेलू उद्योग का कार्य निष्पादन तथा उत्पादकता शामिल है। नीचे इस बात की जांच की गई है कि क्या पाटित आयातों से इतर कारकों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है।

**(i) तीसरे देशों से आयातों की मात्रा और कीमत**

72. संबंध देशों से इतर देशों से आयात मात्रा की दृष्टि से अधिक नहीं है। इसलिए इनसे घरेलू उद्योग को क्षति का खतरा नहीं है। अन्य देशों से आयात कुल मिलाकर कुल आयातों के 3 प्रतिशत से कम है और भारत में कुल मांग / खपत से 3 प्रतिशत से कम है। इस प्रकार ऐसा नहीं कहा जा सकता है कि अन्य देशों से आयात के कारण क्षति हुई है।

**(ii) निर्यात कार्य निष्पादन**

73. प्राधिकारी ने अपने क्षति विश्लेषण के लिए केवल घरेलू प्रचालनों के आंकड़ों पर विचार किया है।

**(iii) मांग में संकुचन इसी के साथ खपत की प्रवृत्ति में परिवर्तन**

74. यह नोट किया जाता है कि संबद्ध वस्तु की मांग में हुई क्षति अवधि के दौरान निरंतर वृद्धि हुई है। इस प्रकार अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि घरेलू उद्योग को मांग में संकुचन के कारण क्षति नहीं हुई है।

**(iv) व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाएं और विदेशी तथा घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा**

75. संबद्ध वस्तु के आयात किसी भी तरह से प्रतिबंधित नहीं और ये देश में मुक्त रूप से आयात योग्य हैं। किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा प्रस्तुत कोई साक्ष्य यह नहीं दर्शाता है कि विदेशी और घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा की दशाओं में कोई परिवर्तन हुआ है।

**(v) प्राद्योगिकी में विकास**

76. किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने प्राद्योगिकी में ऐसे किसी विशेष विकास को प्रदर्शित करने का कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती हो।

**(vi) खपत की प्रवृत्ति में परिवर्तन**

77. घरेलू उद्योग उस किस्म की वस्तु का उत्पादन कर रहा है जिसका भारत में आयात हुआ है। खपत की प्रवृत्ति में संभावित प्रवर्तन वह कारक नहीं है जिससे घरेलू उद्योग को दावा की गई क्षति हो सकती हो।

**(vii) अन्य उत्पादों के संबंध में घरेलू उद्योग का कार्य निष्पादन**

78. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और बेचे गए अन्य उत्पादों के कार्य निष्पादन से घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन का प्राधिकारी द्वारा किया गया आकलन प्रभावित नहीं हुआ है। प्राधिकारी द्वारा केवल विचाराधीन उत्पाद के संबंध में सूचना पर विचार किया गया है।

**(viii) घरेलू उद्योग की उत्पादकता**

79. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की उत्पादकता में गिरावट से क्षति नहीं हुई है, बल्कि प्रति कर्मचारी उत्पादकता में वृद्धि की प्रवृत्ति रही है।

**झ. भारतीय उद्योग का हित एवं अन्य मुद्दे**

80. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य सामान्यतः पाटन की अनुचित व्यापार प्रक्रियाओं द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है। ताकि भारतीय बाजार में खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति पुनः बहाल की जा सके जो देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी उपाय लागू होने से संबद्ध देशों से आयात किसी भी तरह से प्रतिबंधित नहीं होंगे और इसलिए उपभोक्ताओं को उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

**ट. क्षति और कारणात्मक संबंध निष्कर्ष**

81. प्राधिकारी का अनंतिम रूप से निम्नानुसार निष्कर्ष है:-

- क) संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों में संपूर्ण जांच अवधि के दौरान समग्र रूप से वृद्धि हुई है।
- ख) संबद्ध देशों से आयातों की पहुंच कीमत क्षति अवधि तथा पीओआई के दौरान तेजी से घटती रही है।
- ग) भारत में आने वाले कम कीमत के पाटित आयातों के कारण कीमत कटौती, ह्रास और न्यूनीकरण हुआ है।
- घ) क्षति अवधि और जांच अवधि के दौरान पाटित आयातों के पास काफी अधिक बाजार हिस्सा रहा है। पाटित आयातों के इतने अधिक हिस्से से प्रचालन के अनेक वर्षों के बाद भी घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से की वृद्धि प्रभावित हुई है।

ड) घरेलू उद्योग की लाभप्रदता, नकद लाभ और नियोजित पूंजी पर आय बुरी तरह से प्रभावित हुई है और पीओआई (ए) में यह ऋणात्मक रही थी। घरेलू उद्योग को वित्तीय घाटे उठाने पड़ रहे हैं जो वर्ष 2017-18 में नकारात्मक रहे थे।

च) जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री सकारात्मक तथा काफी अधिक रही है।

### ठ. निष्कर्ष एवं सिफारिशें

82. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों और उनमें उठाए गए मुद्दों की जांच करने और रिकार्ड में उपलब्ध तथ्यों पर विचार करने के बाद प्राधिकारी अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकालते हैं कि:

क. संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों में पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में समग्र रूप से भारी वृद्धि हुई है।

ख. विचाराधीन उत्पाद का भारत को संबद्ध देशों से उसके सामान्य मूल्य से कम पर निर्यात किया गया है।

ग. घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति उठानी पड़ी है।

घ. वास्तविक क्षति संबद्ध देशों से संगत वस्तु के पाटित आयातों के कारण हुई है।

83. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच की शुरुआत की गई थी और सभी हितबद्ध पक्षकारों को अधिसूचित की गई थी तथा घरेलू उद्योग, निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संपर्क के पहलू पर सकारात्मक सूचना प्रदान करने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था। पाटनरोधी नियमावली के अंतर्गत निर्धारित प्रावधानों के अनुसार, पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध के बारे में जांच शुरू करने और जांच करने पर प्राधिकारी का यह मत है कि पाटन और क्षति को दूर करने के लिए जांच पूरी होने तक अनंतिम शुल्क लगाए जाने की आवश्यकता है। अतः प्राधिकारी इसे आवश्यक समझते हैं और तदनुसार, संबद्ध देशों से संबद्ध सामानों के आयातों पर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश करते हैं।

84. नियमावली के नियम 4 (घ) में दिए गए प्रावधान के अनुसार प्राधिकारी पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन में से कमतर के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त किया जा सके। तदनुसार, प्राधिकारी नीचे दी गई शुल्क तालिका के कॉलम 7 में उल्लिखित राशि के बराबर केंद्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों पर नीचे दी गई शुल्क तालिका के कॉलम 7 में उल्लिखित राशि के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं। इस प्रयोजनार्थ आयातों का पहुंच मूल्य सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 के अंतर्गत सीमा शुल्क द्वारा यथा निर्धारित आकलन योग्य मूल्य होगा और उस पर सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3क, 8ख, 9, 9क के अंतर्गत शुल्कों के अतिरिक्त सीमा शुल्क के प्रयोज्य स्तर शामिल होंगे।

क्र. सं.	शीर्ष	वर्णन	मूलता का देश	निर्यातक देश	उत्पादक	राशि	यूनिट	मुद्रा
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
1	29211110	डाईमिथाइल फोरमेमाइड (डीएमएफ)	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	मेसर्स लिआओचेंग लक्सी मेहटलिमाइन केमिकल कंपनी लिमिटेड,	317.78	एमटी	यूएस डॉलर
2	29211110	डाईमिथाइल फोरमेमाइड	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	मेसर्स लिआओचेंग	346.32	एमटी	यूएस डॉलर

		(डीएमएफ)			लक्सी मेहटलिमाइन केमिकल कंपनी लिमिटेड, को छोड़कर अन्य कोई उत्पादक			
3	29211110	डाईमिथाइल फोरमेमाइड (डीएमएफ)	चीन जन. गण.	चीन जन. गण. से इतर कोई देश	मेसर्स लिआओचेंग लक्सी मेहटलिमाइन केमिकल कंपनी लिमिटेड,	317.78	एमटी	यूएस डॉलर
4	29211110	डाईमिथाइल फोरमेमाइड (डीएमएफ)	चीन जन. गण.	चीन जन. गण. से इतर कोई देश	मेसर्स लिआओचेंग लक्सी मेहटलिमाइन केमिकल कंपनी लिमिटेड, को छोड़कर अन्य कोई उत्पादक	346.32	एमटी	यूएस डॉलर
5	29211110	डाईमिथाइल फोरमेमाइड (डीएमएफ)	चीन जन. गण. से इतर कोई देश	चीन जन. गण.	मेसर्स लिआओचेंग लक्सी मेहटलिमाइन केमिकल कंपनी लिमिटेड,	317.78	एमटी	यूएस डॉलर
6	29211110	डाईमिथाइल फोरमेमाइड (डीएमएफ)	चीन जन. गण. से इतर कोई देश	चीन जन. गण.	मेसर्स लिआओचेंग लक्सी मेहटलिमाइन केमिकल कंपनी लिमिटेड, को छोड़कर अन्य कोई उत्पादक	346.32	एमटी	यूएस डॉलर
7	29211110	डाईमिथाइल फोरमेमाइड (डीएमएफ)	सउदी अरब	सउदी अरब	मेथेनॉल केमिकल्स कंपनी	163.97	एमटी	यूएस डॉलर
8	29211110	डाईमिथाइल फोरमेमाइड (डीएमएफ)	सउदी अरब	सउदी अरब	मेथेनॉल केमिकल्स कंपनी को छोड़कर अन्य कोई उत्पादक	471.16	एमटी	यूएस डॉलर
9	29211110	डाईमिथाइल फोरमेमाइड (डीएमएफ)	सउदी अरब	सउदी अरब से इतर कोई देश	मेथेनॉल केमिकल्स कंपनी	163.97	एमटी	यूएस डॉलर
10	29211110	डाईमिथाइल	सउदी	सउदी अरब	मेथेनॉल	471.16	एमटी	

		फोरमेमाइड (डीएमएफ)	अरब	से इतर कोई देश	केमिकल्स कंपनी को छोड़कर अन्य कोई उत्पादक			यूएस डॉलर
11	29211110	डाईमिथाइल फोरमेमाइड (डीएमएफ)	सउदी अरब से इतर कोई देश	सउदी अरब	मेथेनॉल केमिकल्स कंपनी	163.97	एमटी	यूएस डॉलर
12	29211110	डाईमिथाइल फोरमेमाइड (डीएमएफ)	सउदी अरब से इतर कोई देश	सउदी अरब	मेथेनॉल केमिकल्स कंपनी को छोड़कर अन्य कोई उत्पादक	471.16	एमटी	यूएस डॉलर

### ड. आगे की प्रक्रिया

85. प्राथमिक जांच परिणाम अधिसूचित करने के बाद निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई जाएगी:

- प्राधिकारी सभी हितबद्ध पक्षकारों से इन अनंतिम जांच परिणामों पर टिप्पणियां आमंत्रित करते हैं और यदि वे प्राधिकारी द्वारा संगत मानी जाती हैं तो अंतिम जांच परिणाम में उन पर विचार किया जाएगा।
- घरेलू उद्योग, निर्यातक, आयतक और अन्य हितबद्ध पक्षकार जो संबंधित जाने जाएं, को प्राधिकारी द्वारा अलग से पत्र भेजा जा रहा है जो इन प्राथमिक जांच परिणामों के प्रकाशन की तारीख से 30 दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकते हैं।
- अन्य कोई हितबद्ध पक्षकार भी इन जांच परिणामों के प्रकाशन की तारीख से 30 दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकते हैं।
- प्राधिकारी आवश्यक समझी जाने वाली सीमा तक आगे सत्यापन करेंगे।
- प्राधिकारी अंतिम जांच परिणाम घोषित करने से पूर्व नियमावली के अनुसार अनिवार्य तथ्यों प्रकट करेंगे।

बिद्युत बिहारी स्वैन, विशेष सचिव एवं निर्दिष्ट प्राधिकारी

## MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF TRADE REMEDIES)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 18<sup>th</sup> August, 2020

### PRELIMINARY FINDINGS

CASE NO. (OI) 24/2019

**Sub: Preliminary Findings in the Anti-Dumping Original Investigation concerning imports of “Dimethyl Formamide” (DMF) originating in or exported from China PR and Saudi Arabia.**

#### F. No. 6/37/2019-DGTR.— A. BACKGROUND OF THE CASE

- M/s. Balaji Amines Ltd (hereinafter also referred to as “the Applicant”) has filed an application before the Designated Authority (hereinafter also referred to as “the Authority”) on behalf of the domestic industry, in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time (hereinafter also referred to as the “Act”) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 as amended from time to time (hereinafter also referred to as the “Rules”) for Original Investigation of Anti-dumping Duty concerning imports of “Dimethyl Formamide” (DMF) (hereinafter also referred to as “subject goods” or

“product under consideration” or “PUC”), originating in or exported from Saudi Arabia and China PR (hereinafter also referred to as the “subject countries”).

2. The Authority, on the basis of prima facie evidence submitted by the Applicant, issued a public notice vide Notification F. No. 6/37/2019-DGTR dated 14<sup>th</sup> January, 2020, published in the Gazette of India Extraordinary, initiating the subject investigation in accordance with Section 9A of the Act read with Rule 5 of the Rules to determine existence, degree and effect of the alleged dumping of the subject goods, originating in or exported from the subject countries, and to recommend the amount of anti-dumping duty, which if levied, would be adequate to remove the alleged injury to the Domestic Industry.

## **B. PROCEDURE**

3. The procedure described herein below has been followed with regard to the subject investigation:

- a) The Authority notified the Embassy of the Subject Country in India about the receipt of the present anti-dumping application before proceeding to initiate the investigation in accordance with Sub-Rule (5) of Rule 5 supra.
- b) The Authority issued a public notice dated 14<sup>th</sup> January, 2020 published in the Gazette of India Extraordinary, initiating anti-dumping investigation concerning imports of the subject goods from the subject country.
- c) The Authority sent a copy of the initiation notification to the Embassy of the subject country in India, known producers/exporters from the subject country, known importers/users and the domestic industry as well as other domestic producers as per the addresses made available by the Applicant and requested them to make their views known, in writing, within the prescribed time limit.
- d) The Authority provided a copy of the non-confidential version of the application to the known producers/exporters and to the Embassy of the subject country in India in accordance with Rule 6(3) of the Rules.
- e) The Embassy of the subject country in India was also requested to advise the exporters/producers from its country to respond to the questionnaire within the prescribed time limit. A copy of the letter and questionnaire sent to the producers/exporters was also sent to them along with the names and addresses of the known producers/exporters from the subject country.
- f) The Authority sent Exporter's questionnaires to the following known producers/exporters in the subject country in accordance with Rule 6(4) of the Rules:

### Saudi Arabia

- i. Methanol Chemicals Company
- ii. Fahad Thnayan AI Thnayan and PA
- iii. Barwil Agencies Ltd

### China PR

- iv. Shandong Hualu-Hengsheng Chemical Co Ltd
- v. Hualu Holding Group Co., Ltd
- vi. Zibo Luzhong Chemical & Light Industry Co., Ltd
- vii. Anhui Huaihua Fine Chemicals Co., Ltd
- viii. Zhejiang Jiangshan Chemical Co., Ltd

- g) In response, the following exporters/producers from the subject countries filed exporter's questionnaire response;
  - i. Methanol Chemicals Company, Saudi Arabia,
  - ii. M/s Luxi Chemical Group Co. Ltd., Chlor-Alkali Chemical Branch, China, now known as M/s Liaocheng Luxi Mehtylamine Chemical Co., Ltd.
  - iii. M/s Shandong Liaocheng Luxi New Material Sale Co., Ltd., China and
  - iv. M/s Liaocheng Ruijin (Hong Kong) Co., Limited.

- h) The Authority sent Importer's Questionnaire to the following known importers/users of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the Rules:
- i. Orchid Chemicals and Pharmaceuticals Ltd
  - ii. Symed Labs Ltd
  - iii. Matrix Laboratories Ltd
  - iv. Dorf-Ketal Chemicals India Pvt Ltd
  - v. Harman Finochem Ltd
  - vi. Ramkamal Chemicals Pvt Ltd
  - vii. Piramal Enterprises Ltd
  - viii. Matrix Laboratories Ltd
  - ix. AMI Organics Pvt Ltd
  - x. Pasupati Acrylon Limited
  - xi. Indian Acrylics Ltd
  - xii. Wockhardt Ltd
  - xiii. Yogesh Dyestuff Products Pvt Ltd
  - xiv. Sun Pharmaceutical Industries Ltd
  - xv. Lupin Ltd
  - xvi. Aurobindo Pharma Ltd.
- i) In response, the following importers/users have responded and filed importer's questionnaire;
- i. Ramniklal S Gosalia & Co
  - ii. Aurobindo Pharma Ltd
  - iii. Pasupati Acrylon Limited
  - iv. Indian Acrylics Ltd
- j) The Authority, upon request, granted extension, to file Exporter Questionnaire Response (EQR) by 02.03.2020, which was placed in the public domain through DGTR's website.
- k) The Authority made available non-confidential version of the evidence presented/submissions made, in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties.
- l) Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to provide the transaction-wise details of imports of subject goods for the past three years, and the period of investigation, which was received by the Authority. The Authority has relied upon the DGCI&S data for computation of the volume of imports and its analysis after due examination of the transactions.
- m) The Non-Injurious Price (NIP) has been determined based on the cost of production and cost to make & sell the subject goods in India based on the information furnished by the Domestic Industry on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and Annexure III to the Rules so as to ascertain whether Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the Domestic Industry.
- n) The information/data submitted by the Applicant has been examined during desk study and relied upon for the purpose of preliminary findings, which will be verified at the appropriate stage from the original records of the Applicant.
- o) The Period of Investigation for the purpose of the present anti-dumping investigation is from 1<sup>st</sup> January, 2019 to 30<sup>th</sup> September, 2019 (9 Months). The injury investigation period has however, been considered as the period from April 2016 - March 2017, April 2017 - March 2018, April 2018 - March 2019 and the POI.
- p) '\*\*\*' in this preliminary findings represents information furnished on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- q) The exchange rate adopted by the Authority for the subject investigation is US\$ = Rs. 71.03.



**C. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE**

4. At the stage of initiation, the product under consideration was defined as:

“i) The product under consideration in the present investigation is Di Methyl Formamide and has also been referred as DMF.

ii) ‘Di Methyl Formamide’, is a colourless, high boiling polar aprotic solvent with a characteristic odor. It is stable on heating and under its distillation temperature range and is freely miscible with water, alcohols, ethers, ketones, ester, carbon disulfide and chlorinated and aromatic hydrocarbons. The application and uses of the subject goods can be broadly categorized as follows;

- a. As a solvent in pharmaceuticals manufacturing;
- b. As a solvents in Acrylic Polymers manufacturing;
- c. As a feedstock for synthesis of derivatives of DMF;
- d. As a solvent in pesticides formulations

iii) The PUC is primarily declared under Customs subheading 29211110 at the time of imports. However, the subheading is indicative only and is not binding on the scope of the PUC since the chances of imports of PUC getting reported under other subheadings cannot be ruled out as claimed by the petitioner. It would not be appropriate to restrict the scope of PUC to customs subheading alone and what is relevant is the product description.

**Submissions made by the Domestic Industry**

5. The submissions made by the Domestic Industry with regard to product under consideration and like article are as follows:

- i. The product under consideration in the present case is ‘Dimethyl Formamide’ (DMF) originating in or exported Saudi Arabia and China PR. Dimethyl Formamide is the organic compound with the formula  $C_3H_7NO$  or  $HCON(CH_3)_2$  and bears the chemical nomenclature ‘N,N-DIMETHYLFORMAMIDE’.
- ii. ‘Dimethyl Formamide’, is a colorless, high boiling polar aprotic solvent with a characteristic odor. It is stable on heating and under its distillation temperature range and is freely miscible with water, alcohols, ethers, ketones, ester, carbon disulfide and chlorinated and aromatic hydrocarbons.
- iii. The product under consideration is imported under Chapter 29 of the Customs Tariff Act, 1975 under customs sub-heading 29211110. The customs classification is indicative only and not binding on scope of the product under consideration.
- iv. There is no difference in product produced by the Applicant and exported from the subject country.

**Submissions made by the other interested parties**

6. The submissions made by the exporters, importers, users and other interested parties with regard to product under consideration and like article, and considered relevant by the Authority, are as follows:

- i. There is no difference of technical or physical characteristics for the PUC imported from country concerned with that produced in India. However, the landed price for the PUC imported from country concerned with that produced in India could be different.
- ii. The product under consideration sold in subject countries’ domestic market, and the products exported to India are identical in physical and chemical characteristics.
- iii. There are no known differences in the product domestically manufactured and product imported.
- iv. The product under consideration is a single product, physically and chemically identical in all markets. The only difference is that the product is sold in bulk or in drums.

**Examination of the Authority**

7. The submissions made by the Domestic Industry with regard to the PUC related issues are examined and addressed hereunder.

8. The product under consideration for the purpose of present investigation is “Dimethyl Formamide (DMF)” originating in or exported from Saudi Arabia and China PR.
9. It is a colorless, high boiling polar aprotic solvent with a characteristic odor. It is stable on heating and under its distillation temperature range and is freely miscible with water, alcohols, ethers, ketones, ester, carbon disulfide and chlorinated and aromatic hydrocarbons. The PUC is used as a solvent in pharmaceuticals manufacturing, Acrylic Polymers manufacturer and pesticides formulations. It is used as a feedstock for synthesis of derivatives of DMF.
10. PUC is classifiable under Chapter 29 of the Customs Tariff Act, 1975 under sub-heading 2921 1110. However, the customs classification is indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation.”
11. It is also noted from the responses submitted by the opposing interested parties that there are no differences in the subject goods domestically manufactured and those which are imported. Based on the information available on record, it is noted that there is no known difference in the subject goods produced by the petitioner and the product under consideration produced and exported from the subject countries. The two products are comparable in terms of essential product characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods etc. The two are technically and commercially substitutable. Therefore, for the purpose of the present preliminary findings, the subject goods produced by the petitioner in India are found as ‘Like Article’ to the subject goods being imported from the subject countries under Rule 2 (d) of the AD Rules.

#### **D. DOMESTIC INDUSTRY AND STANDING**

##### **Submissions made by the Domestic Industry**

12. The submissions made by the Domestic Industry with regard to scope of Domestic Industry & standing so far are as follows;
  - a. The Applicant M/s. Balaji Amines Ltd is the sole producer of the subject goods in India and production by the Applicant constitutes 100% share of total Indian production of subject goods. The Applicant has not imported the product under consideration or is not related to exporters/importers of the subject goods. Thus, the Applicant fulfills the requirements of standing and also constitutes domestic industry as defined in Rule 2 (b) of the AD Rules.
  - b. It may be noted that M/s RCF Ltd was also a producer of subject goods, but it has not produced the subject goods for some time now.

##### **Submission of other interested parties**

13. No submissions have been made by other interested parties with regard to scope of domestic industry and its standing.

##### **Examination of the Authority**

14. Rule 2 (b) of the Rules defines the “domestic industry” as under:

*“domestic industry” means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term ‘domestic industry’ may be construed as referring to the rest of the producers”*

15. It is noted that the application has been filed by M/s Balaji Amines Ltd. who has claimed to be the sole producer of subject goods in India. As per the petition, M/s Rashtriya Chemical & Fertilizers Ltd (RCF Ltd) was also a producer of subject goods. However, as provided in the petition, M/s RCF has not produced the subject goods for quite some time. It is also noted that M/s RCF Ltd has neither supported the petition nor opposed it.
16. M/s Balaji Amines Ltd. has not imported the PUC from the subject countries and is not related either to any exporter or producer of the PUC in the subject countries or any importer of the PUC in India.
17. No submissions have been made by other interested parties with regard to scope of domestic industry and its standing.

18. Accordingly, the Authority provisionally holds that for the purpose of this investigation, the Applicant satisfies the standing requirement and constitutes the domestic industry in terms of Rule 2(b) and Rule 5(3) of the Rules.

**E. MISCELLANEOUS ISSUES**

**Submissions made by the Domestic Industry**

19. Certain miscellaneous submissions put forth by the domestic industry at this stage is noted as follows:

- i. The case requires immediate levy of preliminary measures as the domestic industry have been suffering financial losses during the POI and the trend is just continuing. The discussion of overall injury in the petition shows that the enormity of such injury is just increasing on all key parameters of injury.
- ii. The losses are directly linked to the injury created by dumped imports and immediate reliefs are necessary in the form of interim measures so that the DI can sustain in manufacturing pending the investigation.
- iii. The facts of the present case shows significant import of the subject goods from subject countries which has increased in absolute terms at aggravated level of dumping (55 to 60 %) and such targeted dumping need quick measures to arrest the impacts on the DI. In fact, the dumped imports held about 78% of the Indian demand and any fair share in demand to the DI can be ensured by imposition of anti-dumping duties only
- iv. No anti-dumping duties on import of PUC at the end of a recent Anti-dumping investigation concerning the subject goods [F. No.6/37/2017-DGAD dated 23.10.2018] apparently been taken as a golden opportunity by the producers/exporters from subject countries to increase dumping in India and after the said findings, the vigor of dumping has sky rocketed. The DI has again come before the Authority but with a much aggravated situation of injury. If Anti dumping Duty is not levied at the earliest, there will be complete closure of the domestic industry and therefore, pray for immediate provisional measures pending detailed investigations and definitive measures by the Authority.

**Submission of other interested parties**

20. The submissions made by the opposing parties in their responses are as follows:

- i. Imposition of anti-dumping duties shall impact the users/importers adversely.
- ii. The users are against the imposition of anti-dumping duties.
- iii. Imposition of anti dumping duties shall lead to monopolistic behaviour by the Applicant.
- iv. The imposition of anti dumping duty will lead to an increase in the input cost for products at the end of users. Any increase in the input cost will make the product uncompetitive for tenders for exports. This will potentially lead to less of exports resulting in decline of Forex earning.
- v. It is not possible for the company to switch to other sources for supply of product under investigation within a short duration of time. This is due to the fact the domestic industry in India has very limited capacity to supply the subject goods and the prices are not competitive as compared to the imported DMF.

**Examination by the Authority**

21. Submissions made by the interested parties and the Applicant with regard to miscellaneous issues, as mentioned above, have been examined below:

- a) As regards the need for interim measures raised by the applicant, the Authority has taken note of the submissions made by the applicant and opposing interested parties so far in this investigation and has examined the same in accordance with the Rules and is addressed appropriately at relevant place in this provisional findings.
- b) With regard to the apprehensions of the opposing parties that the anti-dumping duties shall lead to monopolistic behavior of the domestic industry and adversities to the users, it is noted that the any anti-dumping duty is intended to remove the injurious effects caused by such dumping and no duties beyond lower of the injury/dumping margin is recommended, if any found necessary. Anti-dumping duties per se will not restrict the availability of the goods to the users. Any gap in the supply of PUC against total demand in the country cannot justify dumping and consequent injury, if any.

**F. NORMAL VALUE, EXPORT PRICE & DETERMINATION OF DUMPING MARGIN****Submissions made by the Domestic Industry**

22. The following submissions have been made by the Domestic Industry:

- a) China should be treated as a non-market economy and normal value in case of the subject countries should be determined in accordance with para-7 and 8 of Annexure I of the Rules. In terms of Para 8 in Annexure 1 to the Rules, it is presumed that the producers of the subject goods in China are operating under non-market economy conditions. Therefore, normal value of the subject goods in China PR has been estimated in terms of Para 7 of Annexure 1 to the Rules.
- b) In view of the above, normal value has been determined for the subject country on the basis of cost of production in India, based on the cost of the domestic industry duly adjusted with selling, general and administrative expenses. This methodology has been considered by the Designated Authority in the earlier investigations against China PR.
- c) Export price from subject country has been determined considering volume and value of imports for the proposed period of investigation as per transaction wise data collected from the DGCI&S. Adjustments have been made for freight, insurance, port expenses, and bank charges.
- d) Considering the normal value and export price as discussed above, the dumping margin has been determined, details of which can be seen from the petition on record. The dumping margins from the subject country are above de minimis levels and significant.

**Submissions by the other interested parties**

23. The Authority sent questionnaires to the known producers/exporters from the subject countries, advising them to provide information in the form and manner prescribed by the Authority. The following producers/exporters have filed the prescribed questionnaire responses:

- i. M/s Methanol Chemicals Company
- ii. M/s Luxi Chemical Group Co. Ltd., Chlor-Alkali Chemical Branch, China now known as M/s Liaocheng Luxi Mehtylamine Chemical Co., Ltd.,
- iii. M/s Shandong Liaocheng Luxi New Material Sale Co., Ltd., China and
- iv. M/s Liaocheng Ruijin (Hong Kong) Co., Limited

24. No specific submissions on the normal value, export price and dumping margin aspects have been made by the opposing interested parties at this stage. However, the responses filed by the opposing parties have been taken into consideration for the determination of normal value, export price and dumping margin to the extent found relevant.

**Examination by the Authority****Normal Value**

25. Under Section 9A (1)(c), normal value in relation to an article means:

*(i) the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article*

*when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*

*(ii) when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either-*

*(a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under subsection (6); or*

*(b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6):*

*Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transhipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.*



26. Article 15 of China's Accession Protocol in WTO provides as follows: "Article VI of the GATT 1994, the Agreement on Implementation of Article VI of the General Agreement on Tariffs and Trade 1994 ("Anti-Dumping Agreement") and the SCM Agreement shall apply in proceedings involving imports of Chinese origin into a WTO Member consistent with the following:

*"(a) In determining price comparability under Article VI of the GATT 1994 and the Anti-Dumping Agreement, the importing WTO Member shall use either Chinese prices or costs for the industry under investigation or a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China based on the following rules:*

- (i) If the producers under investigation can clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like product with regard to the manufacture, production and sale of that product, the importing WTO Member shall use Chinese prices or costs for the industry under investigation in determining price comparability;*
- (ii) The importing WTO Member may use a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China if the producers under investigation cannot clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like product with regard to manufacture, production and sale of that product.*

*(b) In proceedings under Parts II, III and V of the SCM Agreement, when addressing subsidies described in Articles 14(a), 14(b), 14(c) and 14(d), relevant provisions of the SCM Agreement shall apply; however, if there are special difficulties in that application, the importing WTO Member may then use methodologies for identifying and measuring the subsidy benefit which take into account the possibility that prevailing terms and conditions in China may not always be available as appropriate benchmarks. In applying such methodologies, where practicable, the importing WTO Member should adjust such prevailing terms and conditions before considering the use of terms and conditions prevailing outside China.*

*(c) The importing WTO Member shall notify methodologies used in accordance with subparagraph (a) to the Committee on Anti-Dumping Practices and shall notify methodologies used in accordance with subparagraph (b) to the Committee on Subsidies and Countervailing Measures.*

*(d) Once China has established, under the national law of the importing WTO Member, that it is a market economy, the provisions of subparagraph (a) shall be terminated provided that the importing Member's national law contains market economy criteria as of the date of accession. In any event, the provisions of subparagraph (a)(ii) shall expire 15 years after the date of accession. In addition, should China establish, pursuant to the national law of the importing WTO Member, that market economy conditions prevail in a particular industry or sector, the non-market economy provisions of subparagraph (a) shall no longer apply to that industry or sector."*

27. It is noted that while, the provision contained in Article 15 (a) (ii) have expired on 11.12.2016, the provision under Article 2.2.1.1 of WTO read with obligation under 15 (a) (i) of the Accession protocol require criterion stipulated in para 8 of the Annexure I of the India's Rules to be satisfied through the information/data to be provided in the supplementary questionnaire on claiming the market economy status.

#### **Determination of Normal Value and Export Price for all cooperating Producers and Exporters in China PR**

##### **Normal Value**

28. At the stage of initiation, the Authority, after evaluating the options under Para 7 to Annexure I of the Rules, had prima facie concluded that options other than Constructed Normal Value are not feasible for the determination of Normal Value in this case. Upon initiation, the Authority advised the producers/exporters in China PR to respond to the notice of initiation and provide information relevant to determination of whether their data/information could be adopted for the purpose of normal value determination.
29. The Authority sent copies of market economy treatment/supplementary questionnaire to all the known producers/ exporters for providing relevant information in this regard. But none of the producers/exporters have claimed MET status. In view of this position as well as the fact that neither the petitioner nor any other interested parties have provided any information with regard to any of the provisos of Rule 7 of Annexure I of the Rules. The NV has therefore been constructed by adopting cost of production in India as normated with due adjustment for SGA expenses and a reasonable profit at the rate of 5% on cost of production in accordance with Para 6(8) of the Rules. The Normal value therefore proposed as US\$ \*\*\*\* per MT for the purpose of preliminary findings.

**Export Price**

30. The Authority notes that M/s Luxi Chemical Group Co. Ltd., Chlor-Alkali Chemical Branch, China, now known as M/s Liaocheng Luxi Mehtylamine Chemical Co., Ltd., M/s Shandong Liaocheng Luxi New Material Sale Co., Ltd., China and M/s Liaocheng Ruijin (Hong Kong) Co. limited, the related entities, have responded and have provided the information to determine the Net Export Price (NEP). The expenses on account of Ocean freight, Marine Insurance and others have been reduced from their CIF export prices. The net ex-factory export price, after adjustment of the above expenses is claimed as US\$ \*\*\*\* per MT. The same has been adopted for the purpose of preliminary findings, pending further verification.

**Determination of Normal Value and Export Price for all non cooperating Producers and Exporters in China PR**

31. The Authority notes that no other producer/ exporter from China PR has responded to the exporter's questionnaire. Therefore, the normal value as determined for cooperative producers/ exporters as stated above on the basis of facts available as per Rule 6(8) has been adopted for non cooperative producers/ exporters as well.

**Export Price for non cooperating producers/exporters from China PR**

32. The Authority notes that no other producer/exporter from China PR has responded to the Authority in the present investigation. For all the non-cooperative producers/exporters in China PR, the Authority has determined net export price adopting the least export price from the responses filed by cooperative producers/exporters, that is, M/s Luxi Chemical Group Co. Ltd., Chlor-Alkali Chemical Branch, China, now known as M/s Liaocheng Luxi Mehtylamine Chemical Co., Ltd., M/s Shandong Liaocheng Luxi New Material Sale Co., Ltd., China and M/s Liaocheng Ruijin (Hong Kong) Co. limited. The net export price of US\$ \*\*\*\* Per MT has been adopted for the purpose of preliminary findings.

**Determination of Normal Value and Export Price for cooperating producers and exporters in Saudi Arabia****Normal value**

33. It is noted that Methanol Chemicals Company from Saudi Arabia has filed the EQ Response in the present case to claim individual margins. It was first seen, whether the domestic sales of the subject goods by the responding producer/ exporter in their domestic market were representative or not and viable for permitting determination of normal value on the basis of their domestic selling prices and whether the ordinary course of trade test was satisfied as per the data provided by the Company. The Company has provided transaction-wise details of the sales of the like article in their home market. It has been found that the domestic sales of the subject goods by the responding producer/ exporter in their domestic market were not representative as it was lower than 5% of total exports of PUC to India. Details of exports to third country other than India was sought from the producer/exporter. The exporter has provided the details of Export Price to countries other than India. For the purpose of Preliminary findings, the Authority has proposed to consider the Normal value on the basis of Cost Of Production of the producer/exporter of PUC. The normal value is determined as US\$ \*\*\*\* per MT for the purpose of preliminary findings, pending further investigation.

**Export Price**

34. The Authority notes from the Exporters Questionnaire Response filed by Methanol Chemicals Company from Saudi Arabia that the company has exported \*\*\*\* MT of subject goods to India during the POI. The company has submitted adjustments on account of inland freight and port handling expense, ocean freight, ocean insurance, credit expense and bank charge and the same has been considered to work out the ex-factory export price. The net export price determined for the Company comes to US\$ \*\*\*\* per MT for POI, for the purpose of preliminary findings pending further determination.

**Normal Value for non cooperating producers/exporters from Saudi Arabia**

35. The Authority notes that no other producer/ exporter from Saudi Arabia have responded to the exporter's questionnaire. The NV has therefore been constructed by adopting cost of production in India as normed with due adjustment for SGA expenses and a reasonable profit at the rate of 5% on cost of production in accordance with Para 6(8) of the Rules. The Normal value therefore proposed as US\$ \*\*\*\* per MT for the purpose of preliminary findings.

**Export Price for non cooperating producers/exporters from Saudi Arabia**

36. The Authority notes that no other producer/exporter from Saudi Arabia has responded to the Authority in the present investigation. For all the non-cooperative producers/exporters in Saudi Arabia, the Authority has determined net export price by adopting the least export price from the responses filed by Methanol Chemicals Company. The net export price so determined is US\$ \*\*\*\*\* Per MT.

**Dumping Margin**

37. The ex-factory export price to India has been compared with the normal value to determine the dumping margins. The table below shows the weighted average dumping margins during the POI for all the producers of the subject goods originating in or exported from subject countries.
38. It is seen that the dumping margins are significant and more than the limits prescribed under the Rules in respect of exports made from each of the subject countries.

**Dumping Margin Table**

S.No.	Country	Producer	Normal Value US\$/ MT	Net Export Price US\$/ MT	Dumping Margin US\$/ MT	Dumping Margin %	Dumping Margin (Range %)
1	China PR	M/s Liaocheng Luxi Mehtylamine Chemical Co., Ltd.,	*****	*****	*****	*****	60-70
2	China PR	Non cooperative Producers/exporters	*****	*****	*****	*****	75-80
3	Saudi Arabia	M/s Methanol Chemicals Company	*****	*****	*****	*****	25-30
4	Saudi Arabia	Non cooperative Producers/exporters	*****	*****	*****	*****	110-120

**G. INJURY ASSESSMENT AND CAUSAL LINK****Submissions made by the Domestic Industry**

39. The Domestic Industry has submitted in the petition inter alia as follows:

- Cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.
- Volume of dumped imports from subject countries have increased significantly and in absolute terms during the POI. Such increase in imports are in a precipitous manner by offering dumped prices.
- The increase in imports by the POI should be read with reductions in prices which would show that the producers/exporters from subject countries reduced the prices further to dominate the market creating significant price injury to the DI. Dumping has been adopted as a strategy to enjoy such share in Indian demand and this has curtailed the anticipated volume growth at the end of the DI. The DI has now started to bleed with financial losses.
- Volume of dumped imports from subject countries has been at price undercutting and suppressing levels which impacted the pricing decisions of the domestic industry.
- The price undercutting has been significantly positive from China PR and Saudi Arabia individually and also cumulatively. Thus, the dumped imports created price undercutting effects on the prices offered by the domestic industry by forcing the domestic industry to sell at such low levels which did not even permit recovery of cost leaving the DI to suffer losses.
- The NSR of the DI is clearly a depressed and non-profit making one. Thus, domestic industry faced price suppression effect which is evident in the fact that the increase in price was suppressed by the landed price of imports.
- The information in the petition shows that although injury parameters such as production volume, capacity utilization, sales and market share have shown some increases in the injury period and in the POI, the fact remains that the actual performance on such parameters were below par levels and the increases are the result of very low base numbers and have not been any meaningful growth per se.
- The domestic industry could operate only at a level of \*\*\* capacity utilization during the POI and such a low utilization is the result of the fact that about 78% of the market share in demand was held



by dumped imports.

- ix. The effects of such low level of utilization created by the dumped imports are reflected in other volume parameters also and the cascading effects of low volumes are reflected in the price parameters also.
- x. Material injury suffered by the domestic industry on account of dumping of subject goods from subject countries is visible in the price parameters also. The landed price of dumped imports which were creating price undercutting, price suppression/depression and underselling effects forced the DI to sell at a price below even its cost of production and as a result the DI once again started making financial losses from the year 2018-19 and the losses were highest during the POI.
- xi. The profitability of the domestic industry which had turned slightly positive by 2017-18 viz. the base year once again turned into huge losses by the present POI. Profits per unit declined from -100 points in the base year to -479 points in the POI which is a sharp and significant fall.
- xii. There has been a significant fall in ROCE from 2018-19 and through the POI as a result of financial losses suffered by the DI on account of price injury created by the dumped imports. ROCE became very negative in the range of \*\*\*\*.
- xiii. It is apparent that the producers/exporters from subject countries reduced their prices so drastically and such targeted dumping with drastic price cut has forced the DI to reduce its prices beyond any reduction in cost leading to material injury on account of all profitability parameters.
- xiv. The adverse situation in volume and price parameters is further reflected in other core parameters of injury as well. Thus, the domestic industry has suffered material injury on account of dumping of subject goods from China PR and Saudi Arabia.
- xv. The injury caused to the domestic industry is on account of dumped imports of PUC from subject countries only. Had there been no dumping the situation of the domestic industry would have been that of better performance and profitability with significant market share and moderate capacity utilization. This shows injury suffered by the DI were on account of dumping of subject goods from subject countries only.
- xvi. The decision of the Authority not to recommend any duty on import of PUC at the end of a recent Anti-dumping investigation concerning the subject goods apparently been taken as a golden opportunity by the producers/exporters from subject countries to dump more in India and after the said findings, the vigor of dumping has sky rocketed. The DI is before the Authority once again but this time with a bleeding and much aggravated situation of injury. No anti-dumping duty at the earliest shall lead to the complete closure of the domestic industry and therefore, the industry prays for immediate provisional measures pending detailed investigations and definitive measures by the Authority.

#### **Submissions made by the other interested parties**

40. The submissions made by the other interested parties inter alia in their response in the context of injury are noted as follows:

- i) Imports from subject countries are not causing any injury to the domestic industry.
- ii) Imposition of anti-dumping duties on the PUC will have catastrophic effect on importers and end-users that rely on the imports for raw materials. Further, such imposition of duty would leave importers at the mercy and whims of domestic producers which do not have sufficient capability to cater to the domestic demand.

#### **Examination of the Authority**

41. The Authority has taken note of the submissions made by the petitioner and opposing interested parties so far in this investigation and has examined the same in accordance with the Anti-Dumping Rules and is addressed appropriately at relevant place in this provisional findings.

##### **i. Cumulative Assessment**

42. Para (iii) of Annexure II of the Anti-Dumping Rules provides that in case where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti-dumping investigation, the Authority will cumulatively assess the effect of such imports, in case it determines that:

- a) Margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two percent expressed as percentage of export price and the volume of imports from each country is three percent (or more) of the import of like article or where the import of individual countries is less than three

percent, the imports collectively account for more than seven percent of the import of like article; and

- b) Cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in the light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.

43. The Authority notes that:

- a) The subject goods are being dumped into India from subject countries. The margin of dumping from each of the subject countries is more than the de-minimis limits prescribed under the Rules.
- b) The volume of imports from each of the subject countries is individually more than 3% of total volume of imports.
- c) Cumulative assessment of the effect of imports is appropriate as the exports from the subject countries not only directly compete inter se but also with the like article offered by the Domestic Industry in the Indian market.
- d) In view of the above, the Authority considers that it is appropriate to assess injury to the Domestic Industry cumulatively from imports of the subject goods from the subject countries.
- e) Rule 11 of Antidumping Rules read with Annexure II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the Domestic Industry, “... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles...”. In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. For the examination of the impact of the dumped imports on the Domestic Industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, inventory, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II of the Anti-Dumping Rules.

**ii. Volume Effect of Dumped Imports on the Domestic Industry**

**a. Assessment of Demand/Apparent Consumption**

44. The Authority has taken into consideration, for the purpose of the present investigation, demand or apparent consumption of the product in India as the sum of domestic sales of the Indian Producers and imports from all sources. The demand so assessed has increased during the injury investigation period and the POI.

Particulars	Unit	2016-17	2017-18	2018-19	POI- Jan-2019 to Sept- 2019	POI Annualized
Imports from China PR	MT	10,237	5,624	9,392	6,379	8505
Imports from Saudi Arabia	MT	23,802	26,101	35,456	23,120	30827
Total Imports from Subject Countries	MT	34,039	31,725	44,848	29,499	39,332
Trend	Indexed	100	93	132	116	116
Total Imports from Other Countries	MT	3,218	3,110	3,017	821	1,094
Total Imports into the Country	MT	37,257	34,835	47,865	30,319	40,426
Domestic Sales of Petitioner	MT	****	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	255	177	304	304
Domestic Sales of Other Producers	MT	****	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	100	100	100	100
Total Demand	MT	40,496	43,104	53,603	37,698	50,264
Trend	Indexed	100	106	132	124	124

45. As can be seen from the above table, demand for the subject goods in India has shown significant increases over the injury period and POI (A). The demand which was 40,496 in the base year increased to 50,264 in the POI (A). Thus, any decline in demand cannot be noted as the cause of injury suffered by the domestic industry. Imports and also sales of the domestic industry increased in the same period.

**b. Import Volumes from subject countries**

46. With regard to the volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India.

Particulars	Unit	2016-17	2017-18	2018-19	POI- Jan-2019 to Sept-2019	POI Annualized
Imports from China PR	MT	10,237	5,624	9,392	6,379	8505
Imports from Saudi Arabia	MT	23,802	26,101	35,456	23,120	30827
Total Imports from Subject Countries	MT	34,039	31,725	44,848	29,499	39,332

Market Share in Import Volume						
China PR	%	27	16	20	21	21
Saudi Arabia	%	64	75	74	76	76
Share of Subject Countries	%	91	91	94	97	97
Share of Other Countries	%	9	9	6	3	3
Total	%	100	100	100	100	100

47. It is seen that dumped imports of the subject goods from the subject countries have increased in absolute terms from 34039 MT in 2016-17 to 39332 MT in POI (A). Also, share of dumped imports from subject countries in overall imports into India increased while the share of imports from other countries decreased in the injury period and in the POI (A).

**c. Subject Country Imports in relative terms**

Particulars	Unit	2016-17	2017-18	2018-19	POI- Jan-2019 to Sept- 2019	POI Annualized
Total Imports from Subject Countries	MT	34,039	31,725	44,848	29,499	39,332
Total Demand	MT	40,496	43,104	53,603	37,698	50,264
Production of DI	MT	****	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	204	158	175	233
Imports from subject countries relative to Indian consumption	%	84	74	84	78	78
Imports from subject countries relative to production of DI	%	****	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	45	83	49	49

48. It is seen that the dumped imports from subject countries in relation to production and demand decreased in the POI (A) as compared to the base year and previous years except 2018-19, though such imports have increased in absolute terms by the POI (A) and the share of such dumped imports remained substantial in overall demand.

**d. Market Share in Demand**

Particulars	Unit	2016-17	2017-18	2018-19	POI- Jan-2019 to Sept- 2019	POI Annualized
Total Imports from Subject Countries	MT	34,039	31,725	44,848	29,499	39,332
Sales of Domestic Industry	MT	****	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	255	177	304	304
Total Demand	MT	40,496	43,104	53,603	37,698	50,264
<b>Market Share in Demand</b>						
Domestic Industry	%	****	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	237	137	250	250
Imports from subject countries	%	84	74	84	78	78
Imports from other countries	%	8	7	6	2	2
Sales of other producers	%	****	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	100	100	100	100
Total	%	100	100	100	100	100

49. The Authority notes that the market share of the subject imports have declined in the overall demand by the POI (A) in comparison to the base year though the same have increased over the year 2017-18. The share of the Petitioner in demand has increased over the injury period and POI (A). Even though the share of dumped imports in demand declined, the same remained at 78% during the POI (A) which is noted as a significant level.

**iii. Price Effect of The Imports On The Domestic Industry**

50. With regard to the effect of the dumped imports on prices, it is required to be analyzed whether there has been a significant price undercutting by the alleged dumped imports as compared to the price of the like products in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices or prevent price increases, which otherwise would have occurred in the normal course. The impact on the prices of the Domestic Industry on account of the dumped imports from subject countries has been examined with reference to price undercutting, price underselling, price suppression and price depression, if any. For the purpose of this analysis, the cost of production, net sales realization (NSR) and the non-injurious price (NIP) of the Domestic Industry have been compared with landed price of imports of the subject goods from the subject countries.

**a) Price Undercutting**

51. For the purpose of price undercutting analysis, the net selling price of the Domestic Industry has been compared with the landed value of imports from the subject countries. While computing the net selling

price of the Domestic Industry all taxes, rebates, discounts and commissions have been deducted and sales realization at ex works level has been determined for comparison with the landed value of the dumped imports. Accordingly, the undercutting effects of the dumped imports from the subject countries work out as follows:

Particulars	Unit	China PR	Saudi Arabia	Subject Countries
Net Sales Realization	Rs./Kg	****	****	****
Trend	Indexed	100	100	100
Landed Price (LV)	Rs./Kg	58.80	56.73	57.76
Price Undercutting	Rs./Kg	****	****	****
Trend	Indexed	100	179	139
Price Undercutting	% of LV	****	****	****
Price Undercutting	Range	1-5	5-10	5-10

52. From the aforesaid table, it can be seen that the imports from subject countries are coming at prices below the domestic selling price of the Petitioner. Thus, price undercutting during the period of investigation is positive for the subject countries, both individually and cumulatively.

**b) Price Suppression/Depression**

53. In order to determine whether the dumped imports are depressing the domestic prices and whether the effect of such imports is to suppress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred in normal course, the changes in the costs and prices over the injury period, were compared as below:

Particulars	Unit	2016-17	2017-18	2018-19	POI- Jan-2019 to Sept- 2019
Cost of Sales	Rs./Kg	****	****	****	****
	Indexed	100	101	127	120
Domestic Selling Price	Rs./Kg	****	****	****	****
	Indexed	100	113	128	108
Landed Value- Subject Countries	Rs./Kg	50.60	60.59	68.78	57.76
	Indexed	100	120	136	115

54. From the above table, it can be seen that the imports from subject countries were coming at prices much lower than the cost of sales of the Domestic Industry. This has forced the Domestic Industry to reduce its prices during POI (A) and has led to a situation in which the Domestic Industry has been forced to sell below its cost of sales leading to financial losses. It is also noted that though the cost of sales and NSR increased over the years, landed price of dumped imports have been consistently below the cost and price of the domestic industry indicating adverse price effects from such landed value.

**c) Price Underselling**

55. The non-injurious price (NIP) of the Domestic Industry has been determined and compared with the landed value of the subject goods to arrive at the extent of price underselling. The NIP of the product under consideration has been determined by adopting information/data relating to the cost of production for the period of investigation on the basis of principles mentioned in Annexure III of the Rules. The analysis shows that during the period of investigation, the landed value of subject imports was below the

non-injurious price of the Domestic Industry, as can be seen from the table below, demonstrating positive price underselling effect:

Particulars	Unit	China PR	Saudi Arabia
Landed Value for POI	Rs./Kg	58.80	56.73
Non-Injurious Price (NIP)	Rs./Kg	****	****
Injury Margin	Rs./Kg	****	****
	%	****	****
	Range	35-40	40-45

56. From the aforesaid table, it can be seen that the imports are coming into India at a price much lower than the non-injurious price of the domestic industry. Thus, the price underselling from the subject countries during the POI is positive and quite significant.

**iv. Economic Parameters of the Domestic Industry**

57. Annexure II to the Anti-Dumping Rules requires that the determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of dumped imports on domestic producers of such products. With regard to consequent impact of dumped imports on domestic producers of such products, the Anti-dumping Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the Domestic Industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments.

58. The Authority has examined the injury parameters objectively taking into account various facts and arguments made by the interested parties in their submissions so far.

**a) Production, Capacity, Sales and Capacity Utilization**

59. The performance of the domestic industry with regard to production, domestic sales, capacity & capacity utilization was as follows:

Particulars	Unit	2016-17	2017-18	2018-19	POI- Jan-2019 to Sept- 2019	POI Annualized
Installed Capacity	MT	****	****	****	****	****
	Indexed	100	100	100	75	100
Production	MT	****	****	****	****	****
	Indexed	100	205	158	175	234
Capacity Utilization	%	****	****	****	****	****
	Indexed	100	205	158	234	234
Domestic Sales	MT	****	****	****	****	****
	Indexed	100	255	177	228	304

60. The capacity, production, sales and capacity utilization of the Petitioner was in a positive trend but still the Petitioner has not been able to increase the sales of product concerned commensurate with the demand because of the significant volume of dumped imports coming from subject countries. The increase in sales of domestic industry is noted along with the market share of about 78% held by the dumped imports in the POI (A).

**b) Profitability, return on investment and cash profits**

61. Profitability, return on investment and cash profits of the Domestic Industry over the injury period is given in the table below: -



Particulars	Unit	2016-17	2017-18	2018-19	POI- Jan-2019 to Sept- 2019	POI Annualized
Profit/Loss	Rs. Kg	****	****	****	****	****
Trend	Indexed	-100	248	-78	-479	-479
Profit/(Loss) before Int. & Tax (PBIT)	Rs. Lacs	****	****	****	****	****
Trend	Indexed	-100	761	-141	-1661	-1661
Cash Profit	Rs. Lacs	****	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	620	89	-831	-831
Capital Employed	Rs. Lacs	****	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	104	104	109	109
Return on Capital Employed	%	****	****	****	****	****
Trend	Indexed	-100	731	-136	-1529	-1529

62. From the above table, it is noted that:

- Profitability of Domestic Industry has been adversely affected due to the intensified dumping by producers/exporters from subject countries. Profit before interest and tax (PBIT) of the Domestic Industry have significantly declined during the POI (A) and was in the negative territory. The PBIT which was -100 indexed points in 2016-17 increased to 761 points in 2017-18 and declined sharply to -1661 indexed points during the POI (A).
- Per unit profit also declined sharply by the POI (A) and was in the negatives during the POI (A). The per unit losses incurred by the domestic industry is noted as significant.
- Similarly, cash profits of the Domestic Industry have reduced significantly. From cash profit of 100 indexed points in 2016-17, it has decreased to -831 indexed points during the POI (A).
- Similar to the profitability, Return on capital employed also declined drastically by the POI (A) to -1529 indexed points from -100 indexed points in 2016-17. The fall in ROCE during the POI (A) is even sharper if compared with the year 2017-18 wherein the ROCE was in the positive territory. The domestic industry's ROCE during the POI is noted as negative in the range of \*\*\*.

**c) Employment, productivity and wages**

63. Employment, productivity and wages of Domestic Industry over the injury period are given in the table below.

Particulars	Unit	2016-17	2017-18	2018-19	POI- Jan-2019 to Sept- 2019
Employment	Nos	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	105	105	105
Wages	Rs. Kg	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	107	123	120
Productivity per employee	MT/Person	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	195	151	223

64. It is noted that the employment of the Domestic Industry was almost constant throughout the injury investigation period and during the POI. However, productivity per employee increased significantly by the POI.



**d) Inventories**

65. Inventory position with the Domestic Industry over the injury period is given in the table below:

Particulars	Unit	2016-17	2017-18	2018-19	POI- Jan-2019 to Sept- 2019
Average Inventory	MT	****	****	****	****
	<i>Indexed</i>	100	102	112	89

66. It is noted that the average inventory with the domestic industry declined in the POI as compared to the base year.

**e) Growth**

67. The Authority notes that growth of the Domestic Industry with regard to volume parameters like production and domestic sales have been positive but price parameters such as profits, return on investment etc. have been declining and the growth was negative during the POI.

**f) Ability to raise capital investments**

68. The Authority notes that given the rising demand of the product in the country, the Domestic Industry has made significant investments in plant and machinery. However, despite these investments, the performance of the Domestic Industry has deteriorated considerably, and further investment may get adversely affected.

**g) Factors affecting domestic prices**

69. The examination of the import prices from the subject countries, change in the cost structure, competition in the domestic market, factors other than dumped imports that might be affecting the prices of the Domestic Industry in the domestic market, etc. shows that the landed value of imported material from the subject countries is below the selling price, cost of sales and the non-injurious price of the Domestic Industry, causing significant price undercutting as well as price underselling in the Indian market apart from financial losses. It is also noted that the demand for the subject goods was showing significant increase during the injury period including the POI and therefore it could not have been a factor affecting domestic prices. Thus, it can be provisionally concluded that the principal factor affecting the domestic prices is the dumped imports of subject goods from subject countries.

**h) Magnitude of Injury and Injury Margin**

70. The Authority has determined Non-Injurious Price for the Domestic Industry on the basis of principles laid down in Anti-Dumping Rules read with Annexure III, as amended. The NIP of the product under consideration has been determined by adopting information/data relating to the cost of production for the period of investigation. The NIP of the Domestic Industry has been worked out and it has been compared with the landed price from producers/exporters from the subject countries for calculating injury margin. The 'all others' rate has been determined based on the facts available with the Authority.

**Injury Margin**

S. No.	Country	Producer	NIP US\$/MT	Landed Value US\$/MT	Injury Margin US\$/MT	Injury Margin %	Injury Margin Range %
1	China PR	M/s Liaocheng Luxi Mehtylamine Chemical Co., Ltd.,	***	***	***	***	30-50
2	China PR	All non cooperating producers/exporters	***	***	***	***	35-55
3	Saudi Arabia	M/s Methanol Chemicals Company	***	***	***	***	35-55
4	Saudi Arabia	All non cooperating producers/exporters	***	***	***	***	60-80

**H. NON-ATTRIBUTION ANALYSIS**

71. As per the AD Rules, the Authority, inter alia, is required to examine any known factors other than the dumped imports which at the same time are injuring the Domestic Industry, so that the injury caused by these other factors may not be attributed to the dumped imports. Factors which may be relevant in this respect include, inter alia, the volume and prices of imports not sold at dumped prices, contraction in

demand or changes in the patterns of consumption, trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers, developments in technology and the export performance and the productivity of the Domestic Industry. It has been examined below whether factors other than dumped imports could have contributed to the injury to the Domestic Industry.

(i) **Volume and price of imports from third countries**

72. The imports from countries other than the subject countries are not significant in volume terms so as to cause or threaten to cause injury to the Domestic Industry. Imports from other countries put together accounted for less than 3% in total imports and less than 3% of total demand/consumption in India. Thus, it cannot be said that imports from other countries are causing injury.

(ii) **Export Performance**

73. The Authority has considered the data for domestic operations only for its injury analysis.

(iii) **Contraction in demand Changes in pattern of consumption**

74. It is noted that the demand of the subject goods has increased consistently over the entire injury period. Thus, it can be provisionally concluded that the injury to the Domestic Industry was not due to contraction in demand.

(iv) **Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers**

75. The import of the subject goods is not restricted in any manner and the same are freely importable in the country. No evidence has been submitted by any interested party to suggest that the conditions of competition between the foreign and the domestic producers have undergone any change.

(v) **Developments in technology**

76. None of the interested parties have furnished any evidence to demonstrate significant changes in the technology that could have caused injury to the Domestic Industry.

(vi) **Changes in pattern of consumption**

77. The domestic industry is producing the type of goods that have been imported into India. Possible changes in pattern of consumption are not a factor that could have caused claimed injury to the domestic industry.

(vii) **Performance of the domestic industry with respect to other products**

78. The Authority notes that the performance of other products being produced and sold by the domestic industry has not affected the assessment made by the Authority of the domestic industry's performances. The information considered by the Authority is with respect to the product under consideration only.

(viii) **Productivity of the domestic industry**

79. The Authority notes that deterioration in productivity has not caused injury to the domestic industry. Rather, productivity per employee has seen an increasing trend.

**I. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES**

80. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the Country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and, therefore, would not affect the availability of the product to the consumers

**J. CONCLUSION ON INJURY & CAUSAL LINK:**

81. The Authority provisionally concludes as under:

- a) Imports of the subject goods from the subject countries have increased in absolute terms over the entire period of investigation.
- b) The landed price of imports from the subject countries has declined in POI as compared to previous year.
- c) There is price undercutting, suppression and depression due to low priced dumped imports coming in to India.
- e) Significant share of the market share have been held by dumped imports throughout the injury period and POI. Such aggressive share of dumped imports impacted the growth of market share of domestic industry even after several years of operation.

- f) The Domestic Industry's profitability, cash profits and return on capital employed has been adversely affected and was negative in the POI (A). Except in 2017-18, the domestic industry has been incurring financial losses.
- g) The price undercutting and price underselling from the subject countries during the POI is positive.

### K. CONCLUSION & RECOMMENDATIONS

82. After examining the submissions made by the interested parties and issues raised therein; and considering the facts available on record, the Authority provisionally concludes that:

- a) There is increase in imports of subject goods from subject countries in absolute terms as compared to the previous years.
- b) The product under consideration has been exported to India from the subject countries below their normal values.
- c) The Domestic Industry has suffered material injury.
- d) Material injury has been caused by the dumped imports of subject goods from subject countries.

83. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the Domestic Industry, exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspect of dumping, injury and causal link. Having initiated and conducted the investigation into dumping, injury and causal link in terms of the provisions laid down under the Anti-Dumping Rules, the authority is of the view that imposition of provisional duty is required to offset dumping and injury, pending completion of the investigation. Therefore, Authority considers it necessary and recommends imposition of provisional anti-dumping duty on imports of subject goods from the subject countries.

84. In terms of provision contained in Rule 4(d) of the Rules, the Authority recommends imposition of provisional anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and the margin of injury, so as to remove the injury to the Domestic Industry. Accordingly, the Authority recommends imposition of provisional antidumping duty on the imports of subject goods, originating in or exported from subject countries, from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, equal to the amount mentioned in Column 7 of the duty table appended below. The landed value of imports for this purpose shall be assessable value as determined by the Customs under Customs Act, 1962 and applicable level of custom duties except duties levied under Section 3, 3A, 8B, 9, 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

### DUTY TABLE

Sl.No.	Heading	Description	Country of origin	Country of export	Producer	Amount	Unit	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
1	29211110	Dimethyl Formamide (DMF)	China PR	China PR	M/s Liaocheng Luxi Mehtylamine Chemical Co., Ltd.,	317.78	MT	US\$
2	29211110	Dimethyl Formamide (DMF)	China PR	China PR	Any other producer except M/s Liaocheng Luxi Mehtylamine Chemical Co., Ltd.,	346.32	MT	US\$
3	29211110	Dimethyl Formamide (DMF)	China PR	Any country other than China PR	M/s Liaocheng Luxi Mehtylamine Chemical Co., Ltd.,	317.78	MT	US\$
4	29211110	Dimethyl Formamide (DMF)	China PR	Any country other than China PR	Any other producer except M/s Liaocheng Luxi Mehtylamine Chemical Co., Ltd.,	346.32	MT	US\$
5	29211110	Dimethyl Formamide (DMF)	Any country other than	China PR	M/s Liaocheng Luxi Mehtylamine Chemical Co., Ltd.,	317.78	MT	US\$

Sl.No.	Heading	Description	Country of origin	Country of export	Producer	Amount	Unit	Currency
			China PR					
6	29211110	Dimethyl Formamide (DMF)	Any country other than China PR	China PR	Any other producer except M/s Liaocheng Luxi Mehtylamine Chemical Co., Ltd.,	346.32	MT	US\$
7	29211110	Dimethyl Formamide (DMF)	Saudi Arabia	Saudi Arabia	M/s Methanol Chemicals Company	163.97	MT	US\$
8	29211110	Dimethyl Formamide (DMF)	Saudi Arabia	Saudi Arabia	Any other producer except M/s Methanol Chemicals Company	471.16	MT	US\$
9	29211110	Dimethyl Formamide (DMF)	Saudi Arabia	Any country other than Saudi Arabia	M/s Methanol Chemicals Company	163.97	MT	US\$
10	29211110	Dimethyl Formamide (DMF)	Saudi Arabia	Any country other than Saudi Arabia	Any other producer except M/s Methanol Chemicals Company	471.16	MT	US\$
11	29211110	Dimethyl Formamide (DMF)	Any country other than Saudi Arabia	Saudi Arabia	M/s Methanol Chemicals Company	163.97	MT	US\$
12	29211110	Dimethyl Formamide (DMF)	Any country other than Saudi Arabia	Saudi Arabia	Any other producer except M/s Methanol Chemicals Company	471.16	MT	US\$

#### L. FURTHER PROCEDURE

85. The procedure as below would be followed subsequent to notifying the preliminary findings:

- The Authority invites comments on these provisional findings from all the interested parties and the same, considered relevant by the Authority, would be considered in the final findings.
- Domestic Industry, exporters, importers and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make their views known, within thirty days from the date of the publication of these preliminary findings.
- Any other interested party may also make known its views within thirtydays from the date of publication of these findings.
- The Authority would conduct further verification to the extent deemed necessary.
- The Authority would disclose the essential facts as per the Rules before announcing the final findings.

BIDYUT BEHARI SWAIN, Spl. Secy. and Designated Authority